हिन्दी सान्ध्य दैनिक जौनपुर,लखनऊ व भदोही से प्रकाशित

देश की उपासना

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

dku live

वर्ष : 01 अंक–220 : जौनपुर, शुक्रवार 05 मई 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के लोगो का मुख्यमंत्री योगी ने किया अनावरण

लखनऊ ब्यूरो : उत्तर प्रदेश आज सिर्फ सबसे बड़ी आबादी वाला राज्य ही नहीं है, बल्कि यहां होने वाला हर आयोजन भी स्वतः ही सबसे बड़ा हो जाता है। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के तृतीय संस्करण के लिए उत्तर प्रदेश का चयन किया गया है और विश्वास दिला सकता हूं कि यह अब तक का सबसे बड़ा आयोजन होगा। 200 विश्विद्यालयों के छात्र–छात्राएं इस आयोजन के भागीदार बनेंगे। उन्हें उत्तर प्रदेश को जानने, समझने और सीखने का भी अवसर प्राप्त होगा। उत्तर प्रदेश की पूरी टीम इनके स्वागत के लिए तैयार है। 25 मई से प्रारंभ होने वाले इन गेम्स के शुभारंभ के लिए भारत सरकार को और सभी राज्यों को सादर आमंत्रित करता हूं कि वो इन आयोजन के भागीदार बनें और अपना मार्गदर्शन दें। ये गेम्स वास्तव में स्पोर्ट्स की एक्टिविटी को अपने युवाओं तक पहुंचाने में मील का पत्थर साबित होंगे। यह बातें सीएम योगी ने शुक्रवार को लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के लोगो, मैस्काट, मशाल, एंथम और जर्सी का अनावरण करते हुए कही। इस अवसर पर उनके साथ केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा कार्य व खेल मंत्री अनुराग ठाकुर, उत्तर प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह एवं खेल मंत्री गिरीश चंद्र यादव भी उपस्थित रहे। बदलते हुए भारत की धारणा को मजबूत कर रहा है खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स सीएम योगी ने भारत में खेलों के प्रति सोच में हुए परिवतर्न का जिक्र करते हुए अपने संबोधन की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि आप सबने पिछले 9 वर्ष के अंदर भारत को प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ते हुए देखा होगा। भारत के बारे में दुनिया की धारणा को बदलते हुए भी देखा है। भारत के प्रत्येक नागरिक के मन में एक नया विश्वास भी आपने महसूस किया होगा। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स भी उसी ध ारणा को बदलने और उस विश्वास का एक प्रतीक है। एक दशक पहले खेल और खिलाड़ियों के प्रति लोगों के मन में अच्छी धारणा नहीं होती थी। खेल को एक अनावश्यक कार्य माना जाता था, समय बर्बादी माना जाता था। आज इसके प्रति धारणा बदली है। परिवार के लोग मिलकर बच्चे को प्रोत्साहित करते हैं। भारतीय मनीषा ने तो हमेशा कहा कि शरीरमाद्यं खलु ध र्म साधनम्, यानी धर्म के जितने भी साधन हैं वो स्वस्थ शरीर से ही संभव हो सकते हैं और स्वस्थ शरीर उसी को प्राप्त होगा जो नियम और संयम से रहता होगा, अनुशासन में रहता होगा। स्वाभाविक रूप से खेल की इन गतिविधियों से व्यक्ति न केवल स्वस्थ रह सकता है बल्कि समाज और राष्ट्र को सशक्त भी कर सकता है। खेलो इंडिया खेलो और फिट इंडिया मूवमेंट उसी श्रृंखला के हिस्से हैं। गांव से लेकर जनपद तक यूपी में मिल रहा खेलों को बढ़ावा खेलों के प्रति उत्तर प्रदेश में बढ़ रही जागरूकता का हवाला देते हुए सीएम ने कहा कि उत्तर प्रदेश में इस तरह के कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया गया है। सांसद खेलकूद प्रतियोगिता के आयोजन भी आज गांव से लेकर जनपद स्तर तक भव्य रूप से संपन्न हो रहे हैं। प्रत्येक जनपद स्तर पर भी खिलाड़ियों की लंबी टीम है। ग्रामीण क्षेत्र में महिला हो या पुरुष, बालक हों या बालिकाएं बड़े पैमाने पर इन कार्यक्रमों से जुड़ रहे हैं। उन्होंने अनुराग सिंह ठाकुर को ध न्यवाद देते हुए कहा कि खेल मंत्रालय संभालने के बाद खेल के प्रति और एक अच्छे खिलाड़ी के रूप में उनके मन में इस अभियान को गति देने का जो भाव था वो पिछले चार वर्ष के अंदर हमने देखा और महसूस किया है। उत्तर प्रदेश आज प्रधानमंत्री जी के इस विजन को जमीनी धरातल पर उतारने के लिए पूरी तरह तैयार है। 65 हजार युवा मंगल दल और महिला मंगल दल को उपलब्ध ा कराईं स्पोर्ट्स किट उत्तर प्रदेश में खेलों को प्रोत्साहित करने के प्रदेश सरकार के प्रयासों के बारे में सीएम योगी ने कहा कि हमने अनेक कार्यक्रम प्रारंभ किए हैं। उत्तर प्रदेश ने हर जनपद में एक स्टेडियम के

निर्माण की कार्यवाही को आगे बढ़ाया है। ब्लॉक स्तर पर मिनी स्टेडियम की कार्यवाही प्रारंभ हुई है। 58 हजार ग्राम पंचायतों में खेल मैदान के निर्माण को एक नई गति मिली है। हर वार्ड हो या ग्राम पंचायत खेल के मैदान के साथ ग्राम पंचायत की निधि का उपयोग ओपन जिम के लिए किया जा रहा है। खिलाड़ी और खेल गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए युवा कल्याण विभाग के द्वारा युवक मंगल दल और महिला मंगल दल को प्रोत्साहित करने के एक बड़े कार्यक्रम को आगे बढ़ाया गया। अब तक हम 65 हजार युवा मंगल दल और महिला मंगल दल को स्पोर्ट्स किट उपलब्ध करा चुके हैं। कुल 85 हजार इनकी संख्या हैं और 20 हजार जो शेष बचे हैं उन्हें भी अगले वर्ष तक स्पोर्ट्स किट उपलब्ध करा देंगे। सीएम ने कहा कि खेल और खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के लिए भी अनेक कार्यक्रम चल रहे हैं। उत्तर प्रदेश अपनी पहली स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी मेरठ में स्थापित कर रहा है। विश्वविद्यालय के साथ ही मेरठ वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट के उत्तर प्रदेश सरकार की विशेष कार्ययोजना का एक हिस्सा है। वहां स्पोर्ट्स के आइटम को प्रोत्साहित करने के लिए हमने अनेक कार्यक्रम प्रारंभ किए हैं। यूपी के खिलाड़ियों ने स्टेज पर प्रदर्शित की केआईयूजी की जर्सी और मशाल इससे पहले सीएम और केंद्रीय खेल मंत्री ने सबसे पहले बटन दबाकर लोगो और एंथम को लॉन्च किया। इसके बाद जर्सी का अनावरण किया गया, जिसे उत्तर प्रदेश की हॉकी खिलाड़ी वंदना कटारिया,दानिश मुज्तबा, बास्केटबाल प्लेयर विशेष भृगुवंशी और एथलीट अन्नू रानी ने स्टेज पर प्रदर्शित किया। इसके बाद मैस्काट 'जीतू' को लॉन्च किया गया,जो राज्य जीव बारासिंघा और राज्य पक्षी सारस का मिलाजुला स्वरूप है। यह शुभंकर प्रकृति के प्रति यूपी की अगाध श्रद्धा और आस्था का प्रतीक है। इस दौरान एथलीट सुधा सिंह,हॉकी खिलाड़ी ललित उपाध्याय, कुश्ती खिलाड़ी दिव्या काकरान, जूडो खिलाड़ी विजय कुमार यादव ने विशेष रूप से तैयार मशाल का प्रदर्शन किया। अंत में सीएम और केंद्रीय खेल मंत्री ने मशाल रिले को फ्लैग ऑफ किया। यह चार मशाल रिले पूरे प्रदेश का भ्रमण करके 25 मई को वापस लखनऊ लौटेंगी। यूपी के प्रत्येक जिले में होगा एक खेलो इंडिया सेंटरः अनुराग ठाकुर इस अवसर पर केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि हाल ही में हमने खेलो इंडिया के 5 वर्ष पूर्ण किए हैं। जिस अभियान को पीएम मोदी ने शुरू किया था वो बहुत तेजी से आगे बढ़ा है। इसके माध्यम से खिलाड़ियों को तलाशने और उन्हें तराशने का काम किया जाता है। इन खेलों का सबसे बड़ा आयोजन खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स उत्तर प्रदेश में होने जा रहा है। जिस तरह सीएम योगी ने यहां खेलों को बढ़ावा दिया है, उम्मीद है कि आने वाले समय में दुनिया में कहीं भी कोई खिलाड़ी मेडल जीतेगा, पोडियम पर राष्ट्रगान बजेगा तो उसमें उत्तर प्रदेश का महत्वपूर्ण योगदान होगा। आने वाले समय में उत्तर प्रदेश सबसे अधिक मेडल लाने वाला प्रदेश होगा। उन्होंने कहा कि यूनिवर्सिटी गेम्स में सबसे ज्यादा खेल और खिलाड़ी प्रतिभाग करने जा रहे हैं। यह दिखाता है कि उत्तर प्रदेश इस खेल का आयोजन करने में सक्षम है और देश भर के खिलाड़ी यहां आने को तैयार हैं। कभी यह प्रदेश दंगों के लिए जाना जाता था, लेकिन अब यह प्रदेश दंगल के लिए जाना जाएगा। पहले यह प्रदेश गोलियों के लिए जाना जाता था, अब शूटिंग खेल के लिए जाना जाएगा। भारत सरकार पूरे देश में एक हजार खेलो इंडिया सेंटर बनाने जा रही है। निश्चित तौर पर 15 अगस्त 2023 से पहले उत्तर प्रदेश के एक–एक जिले में एक खेलो इंडिया सेंटर की स्थापना होगी। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के खेल मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के मार्गदर्शन में हम एक बड़े खेल आयोजन की मेजबानी करने जा रहे हैं। यह उत्तर प्रदेश के लिए बड़ा अवसर है और उम्मीद है कि मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश को और बड़े खेल आयोजनों की मेजबानी का अवसर मिलेगा। अब आंदोलन खत्म करें पहलवानः अनुराग केंद्रीय खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अनुराग ठाकुर ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के लोगो, एंथम, जर्सी, शुभंकर और मशाल के अनावरण के मौके पर पत्रकारों से बातचीत की। दिल्ली में चल रहे पहलवानों के धरने के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि मेरा आग्रह है कि जंतर मंतर पर बैठे पहलवान अपना आंदोलन समाप्त कर दें। उनकी सभी मांगों को सरकार पूरा कर रही है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने भी अपना आदेश दे दिया है। अब पहलवान निष्पक्ष जांच को अपनी ओर से पूरा सहयोग करें और दिल्ली पुलिस को अपना काम करने दें। हमारी पूरी कोशिश होगी कि पहलवनों को न्याय मिले। कानून के दायरे में रहकर काम किया जाएगा।

शिक्षकों को अब प्रतिकर व पढ़ाई की छुट्टी नहीं : किसी भी डाक्टर का जारी चिकित्सा प्रमाणपत्र होगा मान्य

लखनऊ ब्यूरो : प्रदेश सरकार ने बेसिक शिक्षा विभाग में कार्यरत शिक्षकों व कर्मचारियों को दिए जाने वाले विभिन्न तरह के अवकाश लेने की व्यवस्था का सरलीकरण कर दिया है। वर्तमान में किसी भी तरह के अवकाश लेने पर लिए जाने वाले शपथ पत्र (स्टांप) की व्यवस्था को समाप्त कर दिया गया है। इसके अलावा प्रतिकर व पढ़ाई के लिए मिलने वाले अवकाश को समाप्त कर दिया गया है। विभाग में वर्तमान में किसी तरह की छुट्टी के लिए स्टांप पेपर पर शपथ पत्र लिया जा रहा है। इस व्यवस्था को समाप्त करने का निर्णय लिया गया है। वहीं चिकित्सा प्रमाण पत्र के लिए पहले अधिकृत (सरकारी) चिकित्सक ही मान्य थे, इसे संशोधित करते हुए अब सभी रजिस्टर्ड मेडिकल प्रैक्टिशनर को शामिल कर लिया गया है। इसी तरह बाल्य देखभाल अवकाश (सीसीएल) एक बार में स्वीकृत करने के लिए अधिकतम दिन तय नहीं था। इसमें एक बार में अधिकतम 30 दिन की छुट्टी तय की गई है। चुनाव, जनगणना, बोर्ड परीक्षा आदि से जुड़े मामलों में खंड शिक्षा अधिकारी/बीएसए अपने स्तर से निर्णय लेंगे। बेसिक शिक्षा विभाग के विशेष सचिव ऋषिकेश दुबे की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को गर्मी व जाड़े की छुट्टी में शासन की ओर से अधि

ाकृत अधिकारी के आदेश पर अर्जित/उपार्जित अवकाश दिया जाएगा। उन्होंने कहा है कि परिषदीय विद्यालयों में काम कर रहे कर्मचारियों को निर्बंधित अवकाश, प्रतिकर अवकाश (छुट्टी के दिनों में ड्यूटी के एवज में दिया जाने वाला अवकाश) व शिक्षा अवकाश मान्य नहीं होगा। सरकार के फैसले से शिक्षकों में नाराजगी प्रतिकर व शिक्षा अवकाश समाप्त करने से शिक्षकों में नाराजगी है। उनका कहना है कि अगर कोई शिक्षक उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहता है तो उसे अवकाश मिलना चाहिए। क्योंकि, पूर्व में भी बिना वेतन के ही उसका अवकाश स्वीकृत किया जाता था। इसी तरह प्रतिकर न देने का कोई औचित्य समझ में नहीं आया।

भगवान तो सिर्फ भाव के भूखे होतें है रुपये के नही – निर्मल शरण जी महाराज

नौपेड़वा (जौनपुर) (विशेष संवाददाता जय प्रकाश तिवारी) : श्री धाम अयोध्या जी से पधारे श्री निर्मल शरण जी महराज ने कहा कि भगवान को रुपये पैसे से खुश नही किया जा सकता भगवान तो भक्त के सिर्फ भाव के भूखे होतें है। उन्होंने कहा कि किसी के सामने मत रोओ दुनिया में हंसी के पात्र बनोगो, अगर रोना है तो सिर्फ ठाकुर जी के सामने रो लेना सारे कष्ट दूर हो जाएगा और निर्मल शरण जी नौपेड़वा बाजार स्थित हनुमान मन्दिर पर दिन में मूर्तियों की स्थापना पश्चात रात्रि में एक दिवसीय संगीतमयी प्रवचन करतें हुए भारी संख्या में उपस्थित भक्तों के बीच कही। उन्होंने कहा कि ईश्वर को पाने के लिए जब तक मन मे छटपटाहट नही होगी हासिल नही हो सकता। निर्मल जी ने कहा कि ठाकुर जी के सामने सिर्फ मीरा के आंसू गिरे थे जो गिरधर की बनकर रह गई। राम केवट संवाद सुनाते हुए उन्होंने कहा कि केवट प्रभु राम के चरणरज लेकर कृतार्थ हुआ तो भगवान राम सीता जी तरफ देखने लगे सीता जी भाव समझ कर तुरंत हाथ की उंगली में पहनी मुद्रिका निकाल प्रभु के हाथ में दे दिया यह सीता

जी का चरित्र था। इस दौरान ब्यापार मण्डल अध्यक्ष आशीष जायसवाल, अमरनाथ मोदनवाल, सूरज जायसवाल, डॉ. अजय निगम, आशीष जायसवाल चंद्रवंशी, हेमन्त सेठ, रिन्कू निगम, पुजारी संजय, गोल्डी जायसवाल,महेश मोदनवाल, संदीप माली,संतोष जायसवाल, गुड्डू जायसवाल सहित सैकड़ो भक्त मौजूद रहें।

कच्ची दीवार गिरने से पिता बेटी की मौत दूसरी बेटी घायल : पत्नी और बेटों का रो रो कर बुरा हाल

जौनपुर क्राईम ब्यूरो धनंजय विश्वकर्मा : सराय ख्वाजा थाना क्षेत्र के बरैया काजी गांव में गुरुवार की शाम कच्ची दीवार गिरने से दर्दनाक हादसे में पिता एक पुत्री की मौत हो गई और दूसरी छोटी पुत्री गंभीर रूप से घायल है कर राजध ारी अपने परिवार का पालन पोषण मजदूरी करके कर रहे थे। शाम को खाना बनाने की तैयारी के दौरान हुआ था हादसा। जानकारी के अनुसार राजधारी 40 वर्ष मजदूरी करके सब्जी लेकर घर पहुंचे तो वह बच्चों के साथ खाना बनाने की तैयारी कर रहे थे कि शाम को उनकी पत्नी सुमित्रा की तबीयत खराब होने के कारण से वह अपने बच्चे को छोड़ मल्हनी बाजार में दवा लेने के लिए गई थी। और वह अपने परिवार के साथ खाना बनाने की तैयारी कर रहे थे तो पिता अपने बच्चों के साथ सब्जी काट कर खाना बनाने की तैयारी कर रहे थे लेकिन बारिश ज्यादा होने के कारण मिट्टी की बनी दीवार पूरी तरीके से जर्जर हो गई थी जो अचानक से राजधारी और उनकी दो पुत्रियां चंचल 8 और दीपांजलि 12 के ऊपर भरभरा कर गिर गई। मलबे में दबकर राजधारी और उनकी दो पुत्रियां गंभीर रूप से घायल हो गई। चीख–पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचकर तीनों

को मलबे से बाहर निकाला गया और आस पास के लोग मल्हनी बाजार के प्राइवेट हॉस्पिटल में लेकर गए जहां राजधारी ने दम तोड़ दिया था डॉक्टर ने राजधारी की दोनों बेटियों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया जहां पर शुक्रवार की भोर में दीपांजलि ने भी दम तोड़ दिया। घर वालो का रो रो के बुरा हाल मातम पसरा हुआ है वही चंचल प्राथमिक इलाज के बाद वापस घर लेकर आया गया।

पाठक बन्धुओं से अनुरोध

आप सभी से अनुरोध है कि ऑनलाइन समाचार पत्र पढ़नें हेतु हमारे निम्नांकित वेबसाइट
www.Desh ki upasana.com
का अधिक अधिक उपयोग करें–तथा हमारें यू–ट्यूब चैनल / पोर्टल - **dku live** सत्य एवं प्रमाणिक खबरों के लिए Like&Subscribe जरूर कीजिए।
–संपादक

चाचा ने किया मासूम भतीजे का कत्ल : इलाके में सनसनी

सुलतानपुर ब्यूरो आलोक श्रीवास्तव : कलियुगी चाचा ने की सातवीं कक्षा के 13 वर्षीय मासूम भतीजे की हत्या। हत्याकांड से इलाके में सनसनी, मौके पर पहुंचे बल्दीराय थानाध्यक्ष अमरेंद्र बहादुर सिंह। मृतक की मां और चाचा में अवैध संबंध बताई जा रही हत्याकांड की वजह। बल्दीराय थाना क्षेत्र अंतर्गत गौरा बारामऊ गांव का मामला। थानाध्यक्ष बोले, हत्याकांड में गिरफ्तार किया गया आरोपी चाचा। एसपी सोमेन वर्मा बोले, थानाध्यक्ष से लिया जा रहा मामले में अपडेट। जल्द कियाध जाएगा हत्याकांड का खुलासा।

पंच मारकर मड़ई में सो रहे पीडब्ल्यूडी कर्मी की हत्या

जौनपुर क्राईम ब्यूरो धनंजय विश्वकर्मा : सराय ख्वाजा थाना क्षेत्र के तिवारीपुरा गांव में घर से करीब 100 मीटर दूरी स्थित मडई में सोते समय गुरुवार की रात बदमाशों ने एक पीडब्ल्यूडी कर्मी पंधारी यादव की हत्या कर दी। आरोपियों ने पीडब्ल्यूडी ठेकेदार के सिर, चेहरे शरीर के अन्य हिस्सों पर पंच से प्रहार किया घटना से परिजनों में कोहराम मचा

हुआ है। जानकारी मिलते ही पुलिस ने शव को कब्जे मिले लेकर जांच में जुटी, ठेकेदार की हत्या एक दिन पहले शादी में किसी बात को लेकर कुछ लोगों से विवाद हुआ है। तिवारीपुरा गांव निवासी पंधारी यादव (52) ने अपने घर से करीब 100 मीटर की दूरी पर एक मड़ई लगवाया था। कभी कभार उसमें भी कुछ देर के लिए जाते थे। गुरुवार की रात में वह उसी मड़ई में सोए थे। इसी दौरान रात में आए कुछ बदमाशों ने पंच से मारकर उनकी हत्या कर दी। परिवार के लोग बताते हैं कि जिस समय बदमाश उन्हें मार रहे थे तो शोर सुनकर आसपास के लोग भी पहुंचे, लेकिन तब तक बदमाश फरार हो चुके थे। उधर पंधारी को जब तक अस्पताल ले जाया जाता है तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। पंधारी के 2 पुत्र अजय और विजय बाहर रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। घटना के बाद परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। शादी में हुआ था विवाद, अगले दिन हुई थी मारपीट बुधवार की रात में क्षेत्र के एक गांव से बारात खेतासराय के आरन गांव में बारात में ही किसी बात को लेकर दो युवकों में मारपीट हो गई थी। मारपीट की जानकारी मिलने पर अगले दिन गुरुवार की सुबह एक युवक के पक्ष से पंधारी यादव दूसरे युवक के यहां गए वहां बातचीत के दौरान कुछ विवाद हुआ परिवार के लोग उस घटना को भी इस मामले से जोड़ रहे हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

सिरकोनी ब्लॉक में आज अमृत सरोवर का किया गया शुभारंभ

जौनपुर डीकेयू ब्यूरो : आज दिनांक 5/5/23 को बुद्ध पूर्णिमा के शुभ अवसर पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा दिए गए निर्देश के क्रम में

सिरकोनी ब्लॉक में आज अमृत सरोवर का शुभारंभ जिला विकास अधिकारी द्वारा किया गया साथ ही समूह शेड का नीव पूजन भी किया गया।

facebook YouTube WhatsApp twitter Instagram

–सुविचार–

आज की सुंदर यात्रा केवल तब शुरु हो सकती है, जब हम कल को जानें देना सीखते हैं।

–साभार ज्ञानामृत पत्रिका

सम्पादकीय

सिंध के रेगिस्तान में तड़पती 'मारवी की रूह

जिस सिंध की विरासत के वियोग में मारवी ने अपनी जान दांव पर लगा दी थी वो सिंध अब अपनी पहचान को बचाने के एक बार फिर राजकीय ताकतों से संघर्ष कर रहा है। एक बेहद बदतर दौर से गुजर रहा ये इलाका आज गैर मुल्की तहजीब के दुप्रभाव के सामने बेबस नजर आता है।

पकिस्तान के सिंध सूबे में स्थित थार रेगिस्तान का क्षेत्र अपनी निराली संस्कृति और खास परंपराओं के लिए जाना जाता है। अमरकोट (जिसे आज की तारीख में उमरकोट के नाम से जाना जाता है) के राजा उमर सोमरू और एक बेहद गरीब परिवार से ताल्लुक रखने वाली मारवी की लोककथा भी इसी गौरवमयी इतिहास का प्रतीक है।

उदार प्रेम और मिट्टी के लिए वफादारी को दर्शाती इस दिलचस्प दास्तान की नायिका मारवी बेहद हसीन थी । वो अपने माता पिता के साथ एक छोटे से गांव भलवा (जो वर्तमान के नगरपारकर इलाके के पास है) में रहती थी। जब राजा उमर ने उसके हुस्न और खूबसूरती के चर्चे सुने तो वो उत्सुकता में अपने जज्बातों पर काबू ना कर सका और उसने भलवा की तरफ कूच कर दिया ।

दोपहर के वक्त जब वो गांव में पहुंचा तो मारवी कुंए पर पानी भरने आई हुई थी। उमर ने मारवी को एक झलक देखा और उस पर इस हद तक फिदा हो गया कि वो उसी वक्त मारवी को अगवा कर अमर कोट की तरफ चल पड़ा।

उमर और मारवी की कहानी

उमर ने मारवी से शादी की पेशकश की और ऐशो आराम की जिंदगी का वादा किया मगर मारवी ने उसे ठुकरा दिया। मारवी की इस गुस्ताखी पर गुस्से और मायूसी से भरे बादशाह ने मारवी को तब तक किले में कैद रखने का हुकुम दे दिया जब तक वो शादी के लिए राजी ना हो जाए। अगले कुछ महीनो में बादशाह उमर ने मारवी से कई बार मिन्नते करते हुए अपने प्रेम का इजहार किया तथा उसे महंगी पोशाकें जेवर और अन्य कई राजसी ठाठ के लालच भी दिए मगर वो मारवी को मनाने में कामयाब न हुआ।

कठिनाई और विरह के इस दौर में मारवी ने कतई हिम्मत नहीं हारी और वो बस यही जिद करती रही कि उसे अपनी मिट्टी और अपने लोगों के बीच वापिस जाना है।

तकरीबन दो साल तक सभी हथकंडे अपनाने के बावजूद भी जब बादशाह उमर की कोशिशों का कुछ अंजाम ना निकला तो उसने आखिर हार मान ली और मारवी को खुद उसके गांव तक छोड़ने आया। सिर्फ इतना ही नहीं उमर ने खुद गांव वालों के सामने लोहे के एक गर्म सरए को अपने नंगे हाथ में पकड़ कर मारवी के मान सम्मान और पवित्रता को साबित करने का इम्तिहान भी बेहिचक दे डाला।

सदियों से सिंधी समाज में उमर और मारवी की इस कहानी को बहुत गर्व और उत्साह के साथ सुनाया जाता है ।कई कलाकारों, खासकर प्रख्यात सिंधी कवि शाहअब्दुल लतीफ ने इस दास्तान के अलग–अलग पहलुओं का बहुत खूबसूरती से बखान किया है। इसी कारण मारवी को वतन परस्ती और अपनी जड़ों से हमेशा जुड़े रहने के फितूर की अनोखी मिसाल माना जाता है। अपनी मिट्टी परिवार और समाज की इज्जत को महफूज रखने के लिए बड़ी से बड़ी हस्ती के सामने निडर खड़े रहने और किसी के सामने नही झुकने का नाम है मारवी।

लेकिन जिस सिंध की विरासत के वियोग में मारवी ने अपनी जान दांव पर लगा दी थी वो सिंध अब अपनी पहचान को बचाने के एक बार फिर राजकीय ताकतों से संघर्ष कर रहा है। एक बेहद बदतर दौर से गुजर रहा ये इलाका आज गैर मुल्की तहजीब के दुप्रभाव के सामने बेबस नजर आता है।

सिंध क्षेत्र में बढ़ता चीन का प्रभुत्व

इस सांस्कृतिक अतिक्रमण में सबसे अव्वल भूमिका पाकिस्तान का खास दोस्त चीन निभा रहा है। प्राकृतिक संपदा से भरपूर इस क्षेत्र पर धीरे–धीरे चीन का प्रभुत्व कायम हो रहा है। सीपेक प्रोजेक्ट यानी चाइना–पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर के तहत बनाए गए कोयले के दो पावर प्लांट यहां के लोगों के लिए सिर दर्द बन चुके हैं।

एक अनुमान के अनुसार इस प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए लगभग 10 लाख पेड़ काटे गए हैं। इसका नतीजा ये हुआ कि इन बड़े औद्योगिक परियोजनाओं से ना सिर्फ सिंध की हवा और पानी दूषित होने का खतरा है बल्कि कई किस्म के जीव और पौधे भी विलुप्त होने की कगार पर पहुंच गए हैं।

वैसे तो चीन और पाकिस्तानी सरकार ने सिंध में तरक्की की कमी और अपर्याप्त जन सुविधाओं का हवाला दे कर इन योजनाओं को उचित सिद्ध करने की कोशिश कर रही है, मगर अधिकांश स्थानीय लोगों को ये यकीन है कि इस क्षेत्र में चीनी नागरिकों की बढ़ती संख्या और उनके तौर तरीकों से सिंध की सांस्कृतिक धरोहर धराशाई हो रही है ।

इसके अलावा पाकिस्तान में तेजी से फैलती हुई धार्मिक कट्टरता भी थार रेगिस्तान के अनोखे स्वरूप को तेजी से धूमिल कर रही है। पिछले कुछ महीनों में यहां लगातार कई ऐसी दुखद घटनाएं हुई जिसमें नाबालिग हिन्दू लड़कियों का अपहरण कर उनका धर्म बदलवाने के बाद उनका जबरन निकाह करवा दिया गया है। पूरे क्षेत्र के अल्पसंख्यकों में खौफ का माहौल छाया हुआ है और वो अपनी पुश्तैनी धरोहर से वंचित हो चुके हैं। सबसे ज्यादा अफसोस की बात ये है कि पुलिस और बाकी सरकारी तंत्र ने भी रोजाना हो रहे इस तशद्दुद को अनदेखा कर चुप्पी साधी हुई है।

सदियों पहले थार की विरासत और संस्कृति के लिए मारवी ने बहुत कष्ट झेले थे और बादशाह उमर के प्रेम प्रस्ताव के सामने झुकने से मना कर दिया था। मगर आज सिंध की पुरानी सभ्यता को इस तरह बिखरते देख कर इस रेगिस्तान में फिरती मारवी की रूह यकीनन तड़प रही होगी।

ये लेखक के अपनें विचार हैं।

बहराइच में भीषण सड़क हादसा: तेज रफ्तार डंपर की ऑटो से भिड़ंत : मौके पर ही पांच लोगों ने तोड़ा दम : 10 घायल

बहराइच ब्यूरो : लखनऊ मार्ग पर कैसरगंज कस्बे में गुरुवार रात एक बजे भीषण सड़क हादसा हो गया। ऑटो सवार लोगों को एक डंपर ने रौंद दिया। हादसे में ऑटो सवार पांच लोगों की मौत हो गई। जबकि 10 लोग गंभीर लोग से घायल हो गए। घायलों को पुलिस ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। मृत लोगों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सभी लोग तिलक कार्यक्रम से वापस अपने घर आ रहे थे। जिले के हुजूरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पुरैनी निवासी मंशाराम की बेटी का विवाह कैसरगंज कोतवाली क्षेत्र के रुकनापुर गांव से तय हुआ था। गुरुवार को तिलक कार्यक्रम था। जिस पर मंशाराम रिश्तेदार और परिवार के लोगों के साथ तिलक लेकर रूकनापुर गांव ऑटो से गया था। तिलक कार्यक्रम निपटाने के बाद सभी रात में वापस लौट रहे थे। रात एक बजे के आसपास सभी ऑटो सवार लखनऊ– बहराइच मार्ग पर कैसरगंज कोतवाली के मदनी हॉस्पिटल के सामने पहुंचे। तेज रफ्तार में डंपर ने ऑटो को रौंद दिया। हादसे में मौके पर ही पांच लोगों की मौत हो गई। इसमें लड़की

की बहन भी शामिल है। जबकि 10 लोग घायल हुए हैं। हादसे के बाद मौके पर अफरा तफरी मच गई। कोतवाल दद्दन सिंह, सीओ कमलेश सिंह, एसडीएम महेश कुमार कैथल भी पहुंच गए। पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया। कोतवाल ने बताया कि हादसे में ऑटो सवार पांच लोगों की मौत हुई है। जबकि 10 लोग घायल हुए हैं। उन्होंने बताया कि डंपर चालक दुर्घटना के बाद फरार हो गया है। उसके विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी गई है।

फर्जी मतदान मामले में विवाद पर कांग्रेस अध्यक्ष और भतीजे का चालान : पुलिस से हुई थी नोकझोंक

वाराणसी ब्यूरो : नगर निकाय के मतदान के दौरान नगर के काली महाल वॉर्ड में कांग्रेस और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच जमकर बवाल के बाद हिरासत में लिए गए कांग्रेस शहर अध्यक्ष रामजी गुप्ता और उनके भतीजे अनमोल का शुक्रवार की सुबह पुलिस ने चालान कर दिया। वहीं हिरासत में लिए गए आठ लोगों को बृहस्पतिवार की देर रात को ही मुचलके पर छोड़ दिया गया। नगर के मैनाताली वॉर्ड के सभासद प्रत्याशी राजेश जायसवाल और उनके पुत्र द्वारा फर्जी मतदान कराने के आरोप में पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। विरोध में प्रत्याशी के भतीजे और पूर्व चेयरमैन राजकुमार जायसवाल के पुत्र अखिलेश सीओ अनिरूद्ध से उलझ गया। सीओ ने उसे जोरदार थप्पड़ रसीद कर दिया। जिसके बाद उसको हिरासत में ले लिया गया। वहीं काली महाल में फर्जी वोटिंग को लेकर भिड़े भाजपा

और कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने लाठी पटकर भगाया। दोनो मामले में 10 लोगों को हिरासत में लिया गया था। जिनमें आठ लोगों को बृहस्पतिवार की शाम मुचलके पर छोड़ दिया गया। वहीं कांग्रेस के शहर अध्यक्ष रामजी गुप्ता और उनके भतीजा अनमोल को शुक्रवार की सुबह मुगलसराय पुलिस ने शांति भंग में चालान कर दिया।

अमृत सरोवर में डूबने से मनरेगा मजदूर की मौत : पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

वाराणसी ब्यूरो : वाराणसी में सेवापुरी/कपसेठी थाना क्षेत्र के हरिभानपुर गांव में शुक्रवार को सुबह गांव में स्थित अमृत सरोवर में डूबने से मनरेगा मजदूर की मौत हो गई ग्रामीणों के अथक प्रयास के बाद शव को बाहर निकाला गया वही सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जाता है कि उपरोक्त गांव निवासी अजीत कुमार सिंह पुत्र सूबेदार सिंह उम्र 31 वर्ष शुक्रवार को घर से बाजार कालिका स्थित चौराहे पर गया जहां चाय पी और पान खाया वापस लौटते समय गांव में स्थित अमृत सरोवर में नहाते समय डूबने से मौत हो गई। वहीं अमृत सरोवर पर खेल रहे बच्चों ने शोर–शराबा मचाया जिससे मौके पहुंचे ग्रामीणों ने अथक प्रयास के बाद शव को बाहर निकाला। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया मृतक मनरेगा में मजदूरी करके परिवार का भरण पोषण करता था तथा मृतक एक पुत्र विनय कुमार 2 वर्ष तथा एक पुत्री कविता चार वर्ष का पिता बताया जाता है ग्रामीणों के अनुसार मृतक का पत्नी कुसुम से आए दिन विवाद होता रहता था घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया तथा गांव में मातम छा गया।

यूपी श्रमजीवी पत्रकार एशोसिएशन ने मनाया अन्तर्राष्ट्रीय पत्रकारिता स्वतंत्रता दिवस

सीतापुर ब्यूरो : आज संस्था कार्यालय पर यूपी श्रमजीवी पत्रकार एशोसिएशन द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय पत्रकारिता स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष शशिकांत शुक्ला ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में प्रेस की स्वतंत्रता एक मौलिक जरूरत है। भारत में अक्सर प्रेस की स्वतंत्रता को लेकर चर्चा होती रहती है। 3 मई को मनाए जाने वाले विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर भारत में भी प्रेस की स्वतंत्रता पर बातचीत होना लाजिमी है। प्रेस की आजादी से यह बात साबित होती है कि उस देश में अभिव्यक्ति की कितनी स्वतंत्रता है, भारत में प्रेस की स्वतंत्रता भारतीय संविधान के अनुच्छेद–19 में भारतीयों को दिए गए अभिव्यक्ति की आजादी के मूल अधिकार से सुनिश्चित होती है। विश्व स्तर पर प्रेस की आजादी को सम्मान देने के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा द्वारा 3 मई को विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस घोषित किया गया, जिसे विश्व प्रेस दिवस के रूप में भी जाना जाता है। भारतीय पत्रकारिता में हमेशा विचार हावी होता है, जबकि पश्चिम में तथ्यात्मकता पर जोर दिया जाता है। इससे कहीं न कहीं हमारे पत्रकारिता के स्तर में कमी आती है। इसके अलावा भारतीय पत्रकारों में पुरस्कारों के प्रति जागरूकता की भी कमी है, वे इसके लिए प्रयासरत नहीं रहते। दुनिया के किसी भी देश के उदय और उसकी प्रगति में पत्रकारों की अहम भूमिका रही है। भारत की आजादी के वक्त भी पत्रकारों ने महत्वपूर्ण किरदार अदा किया है, जिसे आज भी भुलाया नहीं जा सकता।इस अवसर पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुरेश कश्यप ने कहा कि विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस' प्रेस की स्वतंत्रता का मूल्यांकन, प्रेस की स्वतंत्रता पर बाहरी तत्वों के हमले से बचाव और प्रेस की सेवा करते

हुए दिवंगत हुए पत्रकारों को श्रद्धांजलि देने का दिन है। इसका उद्देश्य मीडिया और प्रेस की भूमिका के बारे में समर्थन और जागरूकता पैदा करना है. प्रेस, जिसे लोकतंत्र का चौथा स्तंभ माना जाता है, संतुलन बनाए रखने और वैश्विक नागरिकों से संबंधित मुद्दों की रिपोर्टिंग के लिए आवश्यक है. महत्वपूर्ण घटनाओं के पीछे की सच्चाई को उजागर करने के लिए पत्रकारों, संपादकों और फोटोग्राफरों ने अक्सर अपनी जान की बाजी लगा दी है. विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस 2023 भी इस दिन के 30 साल पूरे होने का प्रतीक है। इस अवसर पर राष्ट्रीय सचिव पंकज शर्मा ने कहा कि इस वर्ष मनाए गए विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस की 30वीं वर्षगांठ, सभी मानवाधिकारों के आनंद के लिए मौलिक रूप में प्रेस स्वतंत्रता, तथा स्वतंत्र और विविध मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देती है। इस अवसर पर संस्था के राष्ट्रीय सचिव मधू कश्यप, कोषाध्यक्ष वरुण यादव, महासचिव रामनरायण वर्मा, उपाध्यक्ष मनोज तिवारी, सचिव आशीष शुक्ला घायल विधिक सलाहकार गिरीश चंद्र मिश्र, जिला अध्यक्ष सीतापुर बीरेंद्र तिवारी, जिला उपाध्यक्ष पंकज भारतीय,पवन सिंह, सहित क्षेत्रीय पत्रकार बृजलाल यादव,हरेश अवस्थी, निर्मल यादव,मदन सिंह चौहान, आदि मौजूद थे।

कर्नाटक में तीन दिन रहेंगे सपा अध्यक्ष : दूसरे चरण में निकाय चुनाव का प्रचार नहीं करेंगे अखिलेश यादव

लखनऊ ब्यूरो : समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव तीन दिन कर्नाटक में रहेंगे। वह शुक्रवार सुबह 10.15 बजे लखनऊ से रवाना हो जाएंगे और सात को लौटेंगे। कर्नाटक में पार्टी उम्मीदवारों के समर्थन में जनसभा करेंगे। निकाय चुनाव के बीच अखिलेश यादव की कर्नाटक यात्रा को लोकसभा चुनाव की तैयारी के मद्देनजर अहम माना जा रहा है। सपा को राष्ट्रीय पार्टी बनाने की रणनीति का भी अहम हिस्सा है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव लगातार राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय हैं। दोबारा राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद उन्होंने सपा को राष्ट्रीय पार्टी बनाने का संकल्प लिया है। इसी के तहत वह विभिन्न राज्यों का निरंतर दौरा कर रहे हैं। सपा ने गुजरात में एक विधानसभा सीट जीतने के बाद अब कर्नाटक की 224 विधानसभा सीटों में 14 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं। यहां की पांच सीटों पर पार्टी के नेता जमकर पसीना बहा रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि ये सीटें उनके खाते में आ सकती हैं। इनमें अफजलपुर, कलाबुर्गी, सोरबा, चित्रदुर्ग पर मजबूत स्थिति में होने का दावा किया जा रहा है। इन सीटों पर वह जनसभा को संबोधित करेंगे। वह दो दिन बेंगलुरु में रुकेंगे। इस दौरान पार्टी नेताओं के साथ ही अन्य दलों के नेताओं से भी मुलाकात करेंगे। मालूम हो कि कर्नाटक में सपा ने वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में 20 सीटों पर प्रत्याशी उतारे थे, लेकिन एक भी उम्मीदवार जीत नहीं पाया था।

उधर, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव अब निकाय चुनाव में प्रचार नहीं करेंगे। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पहले चरण में गोरखपुर से चुनाव प्रचार की शुरुआत की थी इसके बाद उन्होंने मेट्रो से लखनऊ में मतदाताओं से बातचीत की। उन्होंने सहारनपुर में रोड शो किया तो कन्नौज में भी जनसभा को संबोधित किया है। निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता लगातार जनसभाएं कर रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित हर नेता कि कहीं न कहीं जनसभा लगी हुई है इसके बाद भी समाजवादी पार्टी निकाय चुनाव में कोई गंभीरता नहीं दिखा रही है। कर्नाटक में मायावती की जनसभा आज बसपा सुप्रीमो मायावती कर्नाटक में हो रहे विधानसभा चुनाव में पार्टी उम्मीदवारों के समर्थन में शुक्रवार को रैली को संबोधित करेंगी। बंगलूरू के पैलेस ग्राउंड में रैली के बाद वह पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों से मुलाकात करेंगी। बसपा पंजाब को छोड़कर देश में कहीं भी किसी भी विरोधी पार्टी से गठबंधन न करने की नीति के तहत कर्नाटक में भी अकेले ही चुनाव लड़ रही है।

आयुर्वेद विभाग में फर्जीवाड़ा : पूर्व निदेशक सहित 12 शिक्षकों पर आरोप : जांच–पड़ताल शुरू

लखनऊ ब्यूरो : राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेजों में अब अनुभव प्रमाण पत्र में फर्जीवाड़ा कर नौकरी पाने का मामला सामने आया है। यह आरोप आयुर्वेद विभाग के पूर्व निदेशक सहित 12 शिक्षकों पर लगे हैं। इसमें राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज वाराणसी की प्रधानाचार्य प्रो. नीलम गुप्ता को निलंबित कर दिया गया है, जबकि अन्य की जांच शुरू हो गई है। खुलासा होने के बाद निदेशालय से लेकर आयुष विभाग तक में हलचल मची है। दरअसल, राजकीय आयुर्वेद कॉलेजों में कई प्रोफेसरों एवं अन्य शिक्षकों के अनुभव प्रमाण पत्र फर्जी होने की शिकायत नेशनल कमीशन फॉर इंडियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन (एनसीआईएसएम) में की गई है। इसमें आरोप लगाया गया है कि पूर्व निदेशक प्रो. एसएन सिंह, राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज वाराणसी की प्रधानाचार्य प्रो. नीलम गुप्ता सहित राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज के 12 शिक्षकों ने गलत अनुभव प्रमाण पत्र लगाकर नौकरी हासिल की है। इसमें पूर्व निदेशक प्रो. एसएन सिंह आयुष कॉलेजों में दाखिले में हुई हेराफेरी मामले में जेल में हैं और नीलम गुप्ता भी निलंबित हो चुकी हैं। उन पर अनुभव प्रमाण पत्र के साथ कई अन्य भी आरोप हैं। अन्य 10 शिक्षकों के मामले में पत्रावलियां जुटाई जा रही हैं। ये शिक्षक लखनऊ, वाराणसी, पीलीभीत, बरेली सहित अन्य राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेजों से जुड़े बताए जा रहे हैं। इन शिक्षकों पर आरोप है कि उन्होंने लोक सेवा आयोग को गुमराह कर नौकरी हासिल की है। अब इन सभी की नियुक्ति संबंधी पत्रावलियों की जांच शुरू करने की तैयारी है। निदेशालय में संबंधित कॉलेजों से दस्तावेज मंगवाए गए हैं। ऐसे हुआ फर्जीवाड़ा एनसीआईएसएम में भेजी गई शिकायत में इन प्रोफेसरों पर अनुभव प्रमाण पत्र फर्जी लगाने के आरोप है। कई के प्रमाण पत्र कर्नाटक सहित अन्य राज्यों के हैं। प्रोफेसर बनने के लिए कुल आठ वर्ष का अनुभव होना चाहिए। लेकिन

इनमें एक प्रोफेसर प्रवक्ता पद पर सिर्फ 10 दिन ही कार्य किए हैं। इनका सीनियर रेजिडेंट से लेकर प्रोफेसर तक का कुल अनुभव सात वर्ष सात माह तीन दिन है। इसी तरह एक प्रोफेसर ने जिस वक्त पीएचडी की। उसी वर्ष को अपने अध्यापक अनुभव प्रमाण पत्र में शामिल करके नौकरी हासिल की है। फंसेंगे कई पूर्व अधिकारी मामले की सही जांच हुई तो आयुर्वेद विभाग के कई पूर्व अधिकारियों का फंसना तय है। सूत्रों का कहना है कि नियुक्ति के समय अनुभव प्रमाण पत्रों की प्रति हस्ताक्षरित कराने का कार्य निदेशक आयुर्वेदिक सेवाएं एवं रजिस्ट्रार का होता है। प्रति हस्ताक्षरित करने से पहले इन अधिकारियों की जिम्मेदारी होती है कि शैक्षणिक अनुभवों की विधिवत जांच कर लें। वाराणसी में जांच चल रही है। अन्य मामले की अभी जानकारी में नहीं है। शासन से जिस तरह का निर्देश मिलेगा। उसी हिसाब से आगे की कार्रवाई की जाएगी। – प्रो पीसी सक्सेना, निदेशक आयुर्वेद होम्योपैथी कॉलेजों में भी हो चुका है फर्जीवाड़ा राजकीय होम्योपैथिक कॉलेजों के शिक्षकों के अनुभव प्रमाण पत्र की भी जांच चल रही है। विभागीय कमेटी की जाचं में यह बात सामने आई थी कि कई शिक्षक बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश सहित अन्य राज्यों के अनुभव प्रमाण पत्र के सहारे नौकरी हासिल की है। विभागीय जांच हुई तो संबंधित कॉलेजों में इन शिक्षकों के कार्य का कोई रजिस्टर नहीं मिली। यह मामला विजिलेंस को सौंपा गया है।

राज्यपाल कलराज मिश्र व मुख्यमंत्री के विशेषाधिकारी से बेटा पढ़ाओ–संस्कार सिखाओ अभियान की टीम ने किया मुलाकात

राजस्थान ब्यूरो जयपुर : बेटा पढ़ाओ–संस्कार सिखाओ अभियान व डिवाइन स्टूडियो झुंझुनूं की पहल एवं त्रिदेव नंदी गौ सेवा समिति जालिमपुरा द्वारा आयोजित दिव्य ज्योति यात्रा को लेकर राजभवन में राज्यपाल कल्याण मिश्र व सचिवालय में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के विशेषाधिकारी फारूक आफरीदी से बेटा पढ़ाओ–संस्कार सिखाओ अभियान के संयोजक कवि हरीश शर्मा, अभियान सह–संयोजक आकाश झुरिया व यात्रा संयोजक मन्नू परदेशी व सुरज सैन ने दिव्य ज्योति यात्रा को लेकर चर्चा करते हुए शिष्टाचार मुलाकात की। मुलाकात के दौरान राज्यपाल कलराज मिश्र व मुख्यमंत्री के विशेषाधिकारी फारूक आफरीदी को बेटा पढ़ाओ–संस्कार सिखाओ अभियान पर लिखित पुस्तक भी भेंट की गई। इस दौरान मुख्यमंत्री के विशेषाधिकारी के द्वारा दिव्य ज्योति यात्रा के पोस्टर का विमोचन भी किया गया। राज्यपाल कलराज मिश्र व मुख्यमंत्री के विशेषाधिकार फारूक आफरीदी ने बेटा पढ़ाओ–संस्कार सिखाओ अभियान व डिवाइन स्टूडियो झुंझुनूं की ओर से किये जा रहे कार्यो की सराहना करते हुए शुभकामनाएं प्रेषित की। ज्ञात रहे इस दिव्य ज्योति यात्रा को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। मुख्यमंत्री के विशेषाधिकारी फारूक आफरीदी ने दिव्य ज्योति यात्रा को लेकर मुख्यमंत्री से मिले बधाई संदेश को टीम सदस्यों को सचिवालय में भेंट किया। यात्रा संयोजक मनोज मन्नू परदेशी ने जानकारी देते हुए बताया कि ये दिव्य ज्योति

यात्रा 7 मई को झुंझुनूं से प्रारम्भ होकर सम्पूर्ण राजस्थान की 5500 किलोमीटर से अधिक की 21 दिवसीय आध्यात्मिक व जन जागरूक रथ यात्रा कार्यक्रम रहेगा। यात्रा के दौरान पूरे राजस्थान में पक्षियों के लिए 2016 परिंडे लगाये जायेंगे। दिव्य ज्योति यात्रा का उद्देश्य लोगों को प्रकृति से जोड़ना है और इसकी टैग लाइन भी यही है – आओ जुड़े प्रकृति के साथ। इस यात्रा में लोगो को हरित क्रांति के लिए भी जागरूक किया जायेगा। इतिहास की ये पहली ऐसी यात्रा है जो मूक पशु–पक्षियों एवं पर्यावरण सरंक्षण के लिए निकाली जाएगी। इस अवसर पर अभियान के संयोजक कवि हरीश शर्मा, अभियान के सह–संयोजक आकाश झुरिया व यात्रा संयोजक मनोज मन्नू परदेशी उपस्थित रहे।

शेरपुरिया के आर्थिक साम्राज्य और शह की भी कराई जाए जांच : अजय राय ने दागे कई सवाल

वाराणसी ब्यूरो : कांग्रेस के प्रांतीय अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री अजय राय ने शुक्रवार को संजय राय शेरपुरिया के आर्थिक साम्राज्य के पीछे संरक्षण और शह की जांच की मांग की और भाजपा पर आरोप लगाते हुए कई सवाल भी किए हैं।प्रांतीय अध्यक्ष की ओर से जारी बयान में कहा गया कि जांच एजेंसियों की अब तक की रिपोर्ट विश्वास के साथ किसी के गले नहीं उतर सकतीं। जांच के उस अहम पहलू को पर्दे में ढंक कर रखा जा रहा है कि शेरपुरिया ने इतना बड़ा आर्थिक साम्राज्य किन लोगों के संरक्षण में और किनकी शह की वजह से खड़ा किया था ? जांच एजेंसियों को सबसे पहले उनको मिलते रहे संरक्षण के राजनीतिक रिश्तों का खुलासा करना होगा, तभी जांच भरोसेमंद होगी। अजय राय ने कहा कि संजय राय से लोन या किसी भी रुप में धन लेने वाले क्या भाजपा के एक ही नेता थे ? अगर और भी लोग थे तो बार बार एक ही नाम क्यों उछाला जा रहा है ? संजय राय से तमाम बड़े बड़े नेताओं के सम्बन्ध जगजाहिर रहे हैं, तो यह खुलासा क्यों नहीं होना चाहिये कि किसी कथित महाठग से तमाम बड़े नेताओं के ये रिश्ते क्यों और कैसे थे ? उन्होंने कहा कि अपने साथ हुई ठगी की किसी कंपनी, किसी

उद्यमी या किसी बेरोजगार युवा अथवा आम नागरिक की किसी शिकायत के बिना जब जांच कर रही एजेंसियां उसकी महाठगी एवं जालसाजी के खुलासे बता रही हैं, तो क्या उनकी जिम्मेदारी नहीं बनती कि वह शेरपुरिया की बड़ी हैसियत खड़ी करने वाले उच्च स्तरीय राजनीतिक रिश्तों एवं उनसे मिले संरक्षण का भी खुलासा करें ? वह यह भी बतायें कि जब आम आदमी को छोटे मोटे लोन लेने में बड़े पापड़ बेलने पड़ते हैं, तो सरकारी बैंक से तीन सौ करोड़ तक के लोन सहज रुप से किन संरक्षणों के कारण संजय राय को मिल जाता था ? लोन की अदायगी इत्यादि में कोई गड़बड़ी यदि रही, तो किसके प्रभाव में बैंक ने कभी कोई नोटिस भी उन्हें इन खुलासों से पहले नहीं दिया ?

बेसिक शिक्षकों के साथ मनोवैज्ञानिक और मानसिक कुठाराघात कर खत्म किया अध्ययन अवकाश –रीना त्रिपाठी

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : सर्वजन हिताय संरक्षण समिति , महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष रीना त्रिपाठी ने कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी ने हम सभी को गरिमा पूर्ण जीवन जीने के लिए सुव्यवस्थित संविधान प्रदान किया।देश के सभी लोग ज्यादा से ज्यादा शिक्षा प्राप्त कर सके इसके लिए चाहे संवैधानिक स्तर पर हो , या कानूनी स्तर पर, या सांकेतिक स्तर पर महान दूरदर्शी बाबा साहब की मूर्ति को भी आप देखे तो उनके हाथ में किताब दिखाई देती है। यानी कि शिक्षा ही वह आधार है जो आपके नैतिक और मौलिक गुणों को निखारती है। निश्चित रूप से शिक्षा प्राप्त करने की कोई उम्र भी नहीं है। लेकिन मनमानी और शोषण पूर्ण आदेश नित्य प्रतिदिन जारी करने वाले बेसिक शिक्षा के महानिदेशक महोदय को यह बात कैसे समझाई जाए कि यदि कोई शिक्षक उच्च शिक्षा के लिए या अपने शिक्षा के स्तर को उन्नयन करने के लिए नौकरी की समय अवधि में अध्ययन अवकाश लेकर पढ़ना चाहता है तो यह उसका मौलिक और नैतिक दोनों प्रकार का अधिकार है। मनगढ़ंत तरीके से नियम बनाकर इसे खत्म नहीं किया जा सकता है। उन्होने बताया कि अध्ययन अवकाश सामान्य जन स्वास्थ्य तथा चिकित्सा अन्वेषण विभाग, पशुपालन विभाग, कृषि विभाग, शिक्षा विभाग ,लोक निर्माण विभाग ,वन विभाग के सरकारी सेवकों को देय होता है किंतु विशेष परिस्थितियों में जनहित में अन्य विभागों के सेवकों को भी अवकाश प्रदान किया जा सकता है यह अवकाश भारत या भारत के बाहर विशेष गहन अध्ययन व प्रशिक्षण के लिए देय है। श्रीमती त्रिपाठी ने कहा कि अध्ययन अवकाश के अंतर्गत संबंधित सरकारी सेवक के कम से कम पांच वर्ष की सेवा पूरी कर ली हो अथवा जिनकी सेवानिवृत्ति में कम से कम तीन वर्ष शेष हो, अध्ययन अवकाश एक बार मेंबारह माह संपूर्ण सेवाकाल में अधिकतम चौबिस मास तथा असाधारण एवं चिकित्सीय अवकाश छोड़कर अन्य नियमित अवकाश मिलाकर अधिकतम अट्ठाइस माह तक स्वीकृत किया जा सकता है ।यह अर्द्ध औसत वेतन पर स्वीकृत किया जाएगा, जिसे उत्तर प्रदेश मूल नियम 9(2)में परिभाषित किया गया है,। सरकारी कर्मचारी जिसका अध्ययन अवकाश किसी अन्य अवकाश से मिलाया जाता है उसे अपना अध्ययन अवकाश ऐसे समय में लेना चाहिए कि उसके समाप्त होने पर उसके पास पहले से स्वीकृत दूसरे अवकाश की इतनी अवधि बची रहे जो उसके ड्यूटी पर लौटने में पर्याप्त हो। यदि कोई कर्मचारी जो अध्ययन अवकाश में हो और अपने अवकाश की समाप्ति के पूर्व अपनी ड्यूटी पर लौट आता है तो उसकी ड्यूटी से अनुपस्थिति को उस अवधि के बराबर अध्ययन अवकाश से कम कर दिया जाएगा जब तक कि शासन उस अवधि के लिए साधारण अवकाश देने की अनुमति नहीं दे देता इस पूरे नियम की विस्तृत जानकारी मूल नियम चौरासी तथा सहायक नियम 146अ में उल्लेखित किया गया है। अध्यक्ष ने कहा कि जबसे बेसिक शिक्षा नियमावली बनी है लगभग तभी से यह अवकाश दे था तो फिर अब ऐसी कौन सी मुसीबत आ गई जिसे विशेष प्रावधान कर खत्म करने का पूरा कुचक्र रचा जा रहा है। यह उत्तर प्रदेश के बेसिक शिक्षकों के साथ अन्याय है। उनका सुझाव है कि अर्थ के इस युग में यदि आर्थिक स्वावलंबन प्राप्त करने के बाद भी कोई व्यक्ति अपनी शिक्षा का उन्नयन करना चाहता है, अपने मानसिक स्तर को और बढ़ाना चाहता है और खुद के वेतन में कटौती करा कर शिक्षा प्राप्त करना चाहता है तो निश्चित रूप से इस में सरकारी तंत्र को कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। देश का पढ़ा लिखा शिक्षक कर्मचारी अपने ज्ञान का उपयोग समाज को शिक्षित करने तथा आने वाली पीढ़ियों को और अधिक उन्नयन करने हेतु ही प्रदान करने वाला है।शिक्षक हित में बने हुए नियमों को बदलने से पहले कृपया मनन करें ।

असिस्टेंट प्रोफेसर बीएड भर्ती का मामला : अर्हता के मसले पर सुप्रीम कोर्ट जाएगा यूपीएचईएससी

प्रयागराज ब्यूरो : प्रदेश के अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालयों में विज्ञापन संख्या–51 के तहत बीएड विषय में असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती की अर्हता को लेकर उच्च न्यायालय की ओर से जारी आदेश को उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग (यूपीएचईएससी) सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगा। आयोग की ओर से जल्द ही सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की जाएगी। विज्ञापन संख्या–51 के तहत अशासकीय महाविद्यालयों में विभिन्न विषयों में असिस्टेंट प्रोफेसर के 1017 पदों पर भर्ती होनी है। इसके लिए अगस्त–2022 में ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और 1. 14 लाख अभ्यर्थियों ने दावेदारी की है। बीएड विषय में अर्हता को लेकर पेच फंसा हुआ है। असिस्टेंट प्रोफेसर बीएड की 93 सीटों पर भर्ती होनी है। आयोग असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नियमों के अनुसार करता है। एक अभ्यर्थी ने पिछले दिनों हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर मांग की थी कि असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती नेशनल काउंसिल टीचर्स एजुकेशन (एनसीटीई) की ओर से निर्धारित मानकों के अनुसार कराई जाए। इस मामले में हाईकोर्ट ने आदेश दिया था कि एनसीटीई से नियमों के तहत भर्ती कराई जाए और पूर्व में जारी विज्ञापन निरस्त करते हुए पुनर्विज्ञापन जारी किया जाएगा। साथ ही पूर्व में आवेदन कर चुके अभ्यर्थियों के आवेदन शुल्क वापस किए जाएं। अब आयोग के सामने बड़ी

संख्या ऑनलाइन आवेदन शुल्क लौटाने की है। दरअसल, तमाम अभ्यर्थियों ने साइबर कैफे के माध्यम से ऑनलाइन शुल्क का भुगतान किया था। ऐसे में आयोग को आशंका है कि अगर शुल्क लौटाया जाता है तो वह सही अभ्यर्थी तक पहुंचेगा या नहीं। आयोग के उपसचिव शिवजी मालवीय का कहना है कि इस मसले पर आयोग ने हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने का निर्णय लिया है। जल्द ही सुप्रीम कोर्ट में आयोग की ओर से याचिका दाखिल की जाएगी।

विवाहिता ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

जौनपुर क्राईम ब्यूरो धनंजय विश्वकर्मा : सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के जेठपुरा गांव में विवाहिता ने बाँस के डारा में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली परिजनों ने इसकी सूचना मायके वालों को दिया मायके वालों ने पहुंचकर इसकी सूचना पुलिस को मौके पर पहुंचकर पुलिस शव को अपने कब्जे में

लेकर पीएम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार जेठपुरा गांव निवासिनी 38 वर्षीय नीतू पत्नी राममिलन रोज की तरह गुरूवार की रात अपने कमरे में सोने चली गई। प्रातः काल जब दरवाजा नहीं खुला तो परिजन ने धक्का देकर दरवाजा खोला तो अंदर का नजारा देखकर दंग रह गये। नीतू साड़ी के सहारे पंखे से झूल रही थी। आनन–फानन में वहां पर ग्रामीणों की भीड़ लग गयी। विवाहिता का मायका सिकरारा थाना क्षेत्र के कुरनी गांव में है। वहां से दर्जनों की संख्या में लोग जेठपुरा गांव पहुंच गये। मृतका के भाई ने आरोप लगाया है कि मेरे बहन की हत्या कर शव को लटका दिया गया है। इसके पूर्व भी बहन को ससुराल के लोगो ने प्रताडिघ्त करते थे।नीतू के भाई ने थाने में परिजनों के खिलाफ तहरीर दी है। वही नीतू के ससुराल पक्ष के पड़ोसियों का कहना है कि नीतू तीन से चार बार पहले ट्रेन से कटने के लिए प्रयास कर चुकी है और एक बार विषाक्त पदार्थ भी खाई थी। राममिलन इसका उपचार करवाकर ठीक कराया था। लेकिन आज किसी बात को लेकर आत्महत्या कर ली। फांसी पर लटकने से पहले ही ले तू अपने माई के माता पिता और भाई से बात किय थी। पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

गोरखपुर में मतदान के बाद खुली दुकान : गटक गए पांच करोड़ की शराब

गोरखपुर ब्यूरो : गोरखपुर नगर निकाय चुनाव का मतदान खत्म होने के बाद बृहस्पतिवार शाम को शराब की दुकानें खुलीं, तो कतार लग गई। महज चार घंटे के भीतर लोग पांच करोड़ की शराब गटक गए। आबकारी विभाग के सूत्रों के अनुसार, चुनाव खत्म होने के बाद भी देसी शराब की मांग सबसे अधिक रही। लोगों ने पांच लाख पेटी देसी शराब पी। इसके अलावा 5300 पेटी अंग्रेजी शराब और बीयर बिक गई। मतदान की तारीखों के ठीक

दो दिन पहले शराब की दुकानें बंद हो गई थीं। बृहस्पतिवार को चुनाव खत्म होने के बाद बिक्री को लेकर दुकानदार भी सजग थे। इसलिए पहले ही स्टॉक मंगा लिया था। आबकारी विभाग के अधिकारियों की मानें तो रोजाना ढ़ाई से तीन करोड़ की शराब बिकती है, लेकिन मतदान के बाद शाम को जब दुकानें खुली तो लोग लगभग पांच करोड़ रुपये की शराब पी गए। आबकारी अधिकारियों ने बताया कि पांच लाख पेटी देसी शराब की बिकी है। एक पेटी में 54 शीशी होती और उसकी कीमत 2400 रुपये है। इसके अलावा चुनाव के बाद 3500 पेटी बीयर बिक गई। एक पेटी की कीमत 2800 रुपये है। वहीं, अंग्रेजी की औसत बिक्री 2500 पेटी हुई। एक पेटी की कीमत 8500 रुपये है। ऐसे में 1 करोड़ 80 लाख रुपये की देसी और 2 करोड़ 12 लाख रुपये कीमत की अंग्रेजी शराब की बिक्री हुई। बृहस्पतिवार का दिन होने से मुर्गा– मीट की बिक्री रही सीमित मतदान के कुछ दिन पहले से ही शराब, मुर्गा और मीट का दौर चलने लगा था। चुनाव खत्म होने के बाद भी यह सिलसिला जारी रहा। बृहस्पतिवार होने की वजह से अधिकांश लोग मीट–मांस नहीं खाते हैं। फिर भी बड़ी संख्या में लोगों ने मीट की खरीदारी की। रायगंज रोड के मीट व्यापारी हामिद ने बताया रोज की तुलना में भीड़ कम थी। उन्होंने उम्मीद जताई कि शुक्रवार को भीड़ रहेगी।

राष्ट्रीय पक्षी मोर का शिकार कर लौट रहे युवक को दबोचा : बंदूक–कारतूस बरामद

मेरठ ब्यूरो : मेरठ के किठौर में देर रात पुलिस को चेकिंग के दौरान बड़ी सफलता हाथ लगी। पुलिस ने राष्ट्रीय पक्षी मोर का शिकार कर लौट रहे एक युवक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मौके से दो मृत मोर, एक 12 बोर की बंदूक और काफी मात्रा में कारतूस बरामद किए हैं। थाना प्रभारी विनय

कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि देर रात पुलिस मेरठ गढ़ मार्ग पर चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस ने बाइक सवार को रुकने का इशारा किया तो बाइक सवार भागने लगा। वहीं, पुलिस ने घेराबंदी करते हुए बाइक सवार युवक को दबोच किया। पुलिस ने युवक के कब्जे से दो मृत मोर, 12 बोर की बंदूक व 19 कारतूस बरामद किए। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम कस्बा शाहजहांपुर निवासी इनायत पुत्र जफर उल्ला खां बताया। आरोपी ने बताया कि उसने मोर का शिकार गढ़मुक्तेश्वर के एक गांव से किया है। उधर, सूचना पर पहुंची हापुड़ जिले की वन विभाग की टीम किठौर कोतवाली पहुंची और मुकदमा दर्ज कराया।

वाराणसी में भीषण सड़क हादसा : दो लोगों की दर्दनाक मौत : खून से लाल हुई सड़क और गाड़ी

वाराणसी ब्यूरो : वाराणसी में शिवपुर थाना अन्तर्गत सुद्धिपुर नेशनल हाईवे पर शुक्रवार भोर 3:30 बजे तेज रफ्तार स्कार्पियो कार सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे से टकरा कर पलट गई। हादसे में स्कॉर्पियो सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि चार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना पाकर शिवपुर पुलिस मौके पर पहुंची और क्षतिग्रस्त स्कॉर्पियो कार के अंदर से दोनों मृतकों के शव को निकालने के साथ ही चारों घायलों को इलाज के लिए बीएचयू ट्रामा सेंटर पहुंचाया गया। जहां पर उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। मृत युवकों में नगर निगम का संविदा कर्मी सत्यम यादव (26) उर्फ बाबू पुत्र अजय यादव निवासी हबीबपुरा (चेतगंज) और आदिल अहमद (27) उर्फ लालू पुत्र स्व. नियाज हाजी निवासी बहेलिया टोला (कतुआपुरा) शामिल हैं। वहीं दोपहर तक हादसे में घायल युवकों का नाम पता स्पष्ट नहीं हो पाया था। स्कार्पियो सवार सत्यम और आदिल अपने चार दोस्तों के साथ दारानगर के नवापुरा निवासी गणेश यादव के पुत्र मोहन यादव के शादी में पाण्डेयपुर स्थित तुलसीपुर गए थें। रात तीन बजे सभी स्कार्पियो कार से शुद्धिपुर हाईवे की ओर निकले। इस दौरान तेज रफ्तार स्कार्पियो कार का पिछला टायर फट गया और कार सड़क किनारे विद्युत पोल से टकराकर पलट गई। हादसे में स्कॉर्पियो कार के परखच्चे उड़ गए। मॉर्निंग वॉक करने वालों ने घटना की सूचना पुलिस को दी मौके पर पुलिस पहुंची और कार के अंदर से सभी को बाहर निकाला गया। तबतक सत्यम और आदिल की मौत हो चुकी थी। हादसे में घायल चार अन्य युवक भी कुछ बता पाने की स्थिति में नहीं थें। पुलिस ने घायलों को तत्काल ट्रामा सेंटर इलाज के लिए भिजवाया। मृतकों के पास से मिले आईडी के जरिए शिवपुर पुलिस ने उनके परिजनों को घटना की सूचना दी। दोनों की डेड बॉडी को पाण्डेपुर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय जिला चिकित्सालय की मोर्चरी में रखावा गया। सत्यम और आदिल की मौत की सूचना मिलते ही उनके घर में कोहराम मच गया। दोनों के परिजन रोते बिलखते जिला अस्पताल पहुंचे।

मां–बाप का इकलौता लड़का था सत्यम, नगर निगम में करता था संविदा पर नौकरी चेतगंज के हबीबपुरा अजय यादव का एकलौता पुत्र सत्यम नगर निगम में करीब साल भर से संविदा पर नौकरी कर रहा था पिता अजय यादव की इलाके में ही डेयरी की दुकान है। इकलौते बेटे सत्यम की सड़क हादसे में मौत की खबर जब अजय यादव को मिली तो पूरे घर में मातम की लहर दौड़ गई परिजन रोते बिलखते पाण्डेपुर से जिला अस्पताल पहुंचे और सत्यम की लाश को देखते ही फूट–फूट कर रोने लगे। उधर बहेलिया टोला निवासी आदिल के घर में भी कोहराम मचा हुआ है। आदिल के परिजनों ने बताया कि उसने कुछ साल पहले दारानगर के नवापुरा इलाके में रहने वाले एक किन्नर से शादी कर ली थी। जिसके बाद से आदिल घर नहीं आता जाता था और नवापुरा में ही रहता था। आदिल आठ भाई बहनों में सातवें नंबर पर था। चाय पी कर आने की बात कह कर निकले थे मोहन यादव की शादी में शामिल सत्यम, आदिल और उसने दोस्त रात तीन बजे शादी समारोह से चाय पीकर वापस आने की बात कहकर निकले थें। इधर शादी की रस्में चल रही थी तो उधर सत्यम और आदिल की मौत हो चुकी थी। सुबह 6:00 बजे जब विदाई के समय मोहन यादव और उसके परिजनों को सड़क हादसे में सत्यम व आदिल के मौत की खबर मिली तो शादी की खुशियां मातम में बदल गई। शादी में शामिल दर्जनों लोग पाण्डेपुर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय जिला चिकित्सालय पहुंचे। सत्यम और आदिल मोहन यादव के करीबी दोस्त थे।

नाबालिग के साथ दुष्कर्म मामले में आरोपी को आठ साल की सजा : जान से मारने की धमकी भी दी थी

मऊ ब्यूरो : मऊ में विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट राजवीर सिंह ने नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म करने और धमकी देने के मामले में आरोपी को सुनवाई के बाद शुक्रवार को दोषी पाया। दोषी पाए जाने के बाद उसे पाक्सो एक्ट के तहत 8 वर्ष का कठोर कारावास की सजा के साथ ही 30 हजार रुपये अर्थदंड निर्धारित किया। अर्थदंड न देने पर 2 माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। वही अर्थदंड जमा हो जाने पर 20 हजार रुपये पीड़िता को देने का आदेश दिया। मामला कोपागंज थाना क्षेत्र का है। अभियोजन के अनुसार वादी मुकदमा की 14 वर्षीय नाबालिग बहन के साथ आरोपी ने 25 अक्टूबर 2013 की रात्रि में दुष्कर्म किया। साथ ही उसे जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़िता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर बाद विवेचना काछीकला गांव निवासी चंद्रशेखर सोनकर के विरुद्ध आरोप पत्र कोर्ट में प्रेषित किया। कोर्ट में अभियोजन की ओर से पैरवी करते हुए विशेष लोक अभियोजक विमल कुमार श्रीवास्तव, प्रवीण कुमार मिश्रा और रामचंद्र चौहान ने कुल 6 गवाहों को पेश कर अपना पक्ष रखा। बचाव पक्ष से कहा

गया कि उसे झूठा फंसाया गया है। विशेष न्यायाधीश ने दोनों पक्षों के तर्कों को सुनने तथा पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों का अवलोकन करने के बाद आरोपी चंद्रशेखर सोनकर को नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने और धमकी देने के मामले में दोषी पाया। दोषी पाए जाने के बाद उसे पाक्सो एक्ट के तहत 8 वर्ष का कठोर कारावास की सजा के साथ ही 30 हजार रुपये अर्थदंड निर्धारित किया। अर्थदंड न देने पर 2 माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। वही अर्थदंड जमा हो जाने पर 20 हजार रुपये पीडिता को देने का आदेश दिया।

न्यायिक आयोग के सदस्य पहुंचे प्रयागराज : कॉल्विन अस्पताल का दौरा कर करेंगे छानबीन

प्रयागराज ब्यूरो : माफिया अतीक अहमद और अशरफ हत्याकांड की जांच के लिए गठित न्यायिक आयोग शुक्रवार को प्रयागराज पहुंच सकती है। आयोग के सदस्य कॉल्विन अस्पताल के सामने उस स्थान का भी जायजा लेने के लिए पहुंच सकते हैं, जहां माफिया बंधुओं की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। न्यायिक सदस्यों के कॉल्विन आने की सूचना पर पुलिस फोर्स अस्पताल पर पहुंच गई है। 15 अप्रैल को हुई थी माफिया बंधुओं की हत्या उमेश पाल हत्याकांड के मामले में पुलिस कस्टडी रिमांड पर लिए गए पूर्व सांसद और माफिया अतीक अहमद और उसके भाई पूर्व विधायक खालिद अजीम अशरफ की 15 अप्रैल को करीब साढ़े दस बजे गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस घटना से से पूरे प्रदेश में हड़कंप मच गया था। जिस समय दोनों को गोली मारी गई उस समय उन्हें मेडिकल परीक्षण के लिए कॉल्विन अस्पताल ले जाया जा रहा था। मीडियाकर्मियों के वेश में पहुंचे शूटरों ने ताबड़तोड़ गोली चलाकर दोनों को मौत के घाट उतार दिया था। हालांकि मौके पर ही तीनों शूटरों लवलेश तिवारी, अरुण मौर्य और सनी सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। प्रतापगढ़ जेल में बंद हैं तीनों शूटर माफिया अतीक और अशरफ की हत्या करने वाले तीनों शूटर लवलेश तिवारी, अरुण मौर्य और सनी सिंह प्रतापगढ़ की जेल में बंद हैं। उन्हें हाई सिक्योरिटी बैरक में रखा गया है और हर पल सीसीटीवी कैमरे से उनकी निगरानी की जा रही है। घटना के बाद उन्हें नैनी जेल में रखा गया था, लेकिन यहां खतरे का अंदेशा होने के कारण उन्हें प्रतापगढ़ जेल में शिफ्ट कर दिया गया।

थाने के क्वार्टर में फांसी के फंदे पर लटका मिला हेड कांस्टेबल का शव : मचा हड़कंप

बागपत ब्यूरो : बागपत जनपद के बड़ौत में छपरौली थाने में तैनात हेड कांस्टेबल का शव शुक्रवार की सुबह थाना परिसर में बने उसके ही क्वार्टर में फांसी पर लटका मिला। बताया गया कि शुक्रवार की शाम को ही वीआईपी ड्यूटी कर लौटा था। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। सहारनपुर के रहने वाले 35 वर्षीय अमर राणा पुत्र स्व. विनोद राणा वर्ष 2006 में यूपी पुलिस में भर्ती हुआ था। हाल में उसकी तैनाती छपरौली थाने में चल रही थी। शुक्रवार की सुबह छपरौली थाने में उसके ही क्वार्टर में उसका शव फांसी पर लटका मिला। सूचना पर एसपी अर्पित विजयवर्गीय मौके पर पहुंचे। उन्होंने मौके की वीडियोग्राफी कराई। वहीं, शव को फांसी के फंदे से नीचे उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सूचना पर अमर के परिजन भी छपरौली थाने पहुंचे। उन्होंने हत्या का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है। बताया जा रहा है कि अमर राणा मूल रूप से चौगामा क्षेत्र के भड़ल गांव का ही रहने वाला था। उसके पिता भी यूपी पुलिस में विनोद राणा दरोगा थे। उनकी अधिकतर तैनाती सहारनपुर क्षेत्र में होने के कारण वह परिवार के साथ कई साल पहले गांव से सहारनपुर चले गए थे।

राममंदिर का निर्माण पूरा होने पर तक अयोध्या विश्व की सर्वोत्तम नगरी में होगी एक –सीएम योगी

अयोध्या (डीक्यू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। राजकीय इण्टर कालेज के मैदान में चुनावी सभा को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या देश की पहली सौर सिटी बनने वाली है। जिसका मतलब है कि अयोध्या सूर्ववंश की राजधानी है। यहां पर सारी बिजली कहीं और से नहीं सोलर इनर्जी के माध्यम से आयेगी। लोगो की खाली छत उस घर की बिजली की आवश्यकताओं की पूर्ति करेगी। महाविद्यालय, विश्वविद्यालय की छतों पर बिजली जेनरेशन का कार्य होगा। नहरों के किनारे, सरयू मैया किनारे सौर पैनल लगाकर बिजली उत्पादन का कार्य होगा।उन्होने कहा कि 2017 के पहले अयोध्या का नाम लेने से जो कतराते थे आज उनमें अयोध्या आने की होड़ लगी है। हर व्यक्ति देखना चाहता है कि अयोध्या में क्या हो रहा है। मोदी ने रामजन्मभूमि अभियान को नया स्वरुप दिया। जिसका परिणाम है कि आज रामजन्मभूमि पर भव्य मंदिर का निर्माण का कार्य जब तक पूरा होगा तब तक अयोध्या विश्व की सवोत्तम नगरी होगी। उन्होने कहा कि अयोध्या विरोधी कहते थे कि परिंद पर नहीं मार सकेगा परन्तु लाखो कारसेवक अयोध्या पहुंच गये थे। जब सपा की सरकार बनी थी तो उसने सबसे पहले रामजन्मभूमि पर हमला करने वाले आतंकियों का मुकदमा वापस लेने का काम किया था। जब हमारी सरकार बनी तो हमने सबसे पहले अवैध बूचड़खानों को बंद करने व एंटी रोमियों स्कार्ट बनाने का कार्य किया। सुरक्षा को हमने प्राथमिकता दी। 2017 से पहले यूपी की पहचान दंगे व उपद्रव से थी। 2017 के बाद यूपी में दंगा बंद हो गया। आज यूपी की पहचान उपद्रव से नहीं बल्कि उत्सव से है। दीपोत्सव ने अयोध्या को उसकी पहचान दिलाने का कार्य किया। उपद्रवी व माफिया की यूपी में कही कोई जगह नहीं है। हमने रामराज्य की परिकल्पनाप को साकार किया। हम तुष्टीकरण नहीं बल्कि सशक्तिकरण की नीति पर चल रहे है। जाति, मजहब देखे बिला योजनाओं का लाभ पात्रों को दिया। उन्होने कहा कि अयोध्या इंटरनेशनल एयरपोर्ट बन रहा है। परन्तु सपा के लोग एयरपोर्ट नहीं बनने देना चाहते थे। सपा का नाम विध्वंसक होना चाहिए। यह कभी अच्छा नहीं सोच नहीं रखते। विकास के हर पथ पर रोड़ा लगाने का कार्य करते है। हमारा काम है उस बैरियर को हटाकर विकास को गति देना। अयोध्या में जल्द 25 इलेक्ट्रिक बसों की सेवा प्रारम्भ होगी। उक्त चुनावी जनसभा में पार्टी के अधिकृत उम्मीदवारों के अलावा सांसद लल्लू सिंह, महानगर अध्यक्ष अभिषेक मिश्रा, जिलाध्यक्ष संजीव सिंह, विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, रामचन्द्र यादव, डा. अमित सिंह चौहान सहित सत्ताधारी पार्टी के अनेक पदाधिकारियों आदि ने भाग लिया। कार्यक्रम में प्रदेश के कृषि मंत्री एवं जनपद के प्रभारी सूर्यप्रताप शाही ने भी भाग लिया।

बलिया में एनकाउंटर से डर रहे गैंगस्टर : तीन आरोपियों ने किया आत्मसमर्पण

बलिया ब्यूरो : बलिया में असलहा कारोबारी नन्दलाल आत्महत्या के आरोपी अजय सिंघाल, देव नारायण सिंह पूना व आलोक सिंह ने शुक्रवार को पुलिस को चकमा देकर गैंगस्टर कोर्ट कृष्ण कुमार सिंह द्वितीय के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। इसकी खबर लगते ही प्रशासनिक महकमे में खलबली मच गई। तीनों नन्दलाल आत्महत्या मामले में मुख्य आरोपी हैं। पिछले दिनों ने जिला जज ने छह आरोपियों को सशर्त जमानत मंजूर की थी। जमानत पर छूटने के बाद प्रशासन ने इनकी कारगुजारियों को देखते हुए अजय सिंघाल, पूना सिंह सहित 11 आरिपियों को गैंगस्टर एक्ट के तहत पाबंद किया था। पांच आरोपी जेल में निरुद्ध है। अभी संजय मिश्रा, राजू मिश्रा सहित तीन आरोपी भूमिगत है। उनके भी जल्द हाजिर होने की खबर है। निकाय चुनाव को लेकर पुलिस भूमिगत सभी गैंगस्टरों की गिरफ्तारी के लिए लगातर दबिश दे रही थी। कुछ दिनों से कोर्ट में हाजिर होने की संभावना को लेकर न्यायालय

परिसर की सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। सुरक्षा को दरकिनार कर तीन गैंगस्टर के आरोपी कोर्ट में हाजिर हो गए। कोतवाल राजीव सिंह ने कहा कि हाजिर होने की सूचना मिल रही है, आगे कोर्ट के निर्णय का इंतजार है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

अनियंत्रित बाइक फिसली, दूल्हे के भाई की मौत : चाचा समेत दो गंभीर

सोनभद्र ब्यूरो : सोनभद्र में क्षेत्र के घघरा गांव के पास गुरुवार की देर शाम सड़क हादसे में बरात जा रहे दूल्हे के भाई की मौत हो गई। हादसे में चाचा समेत दो लोग घायल हो गए। उन्हें बभनी सीएचसी में प्रारंभिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। हादसे

के बाद शादी की खुशियां मातम में तब्दील हो गईं। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। सागोबांध गांव निवासी शिवपूजन के बड़े पुत्र की शादी बीजपुर थाना क्षेत्र के लखार गांव में तय थी। गुरुवार की शाम बरातियों को रवाना करने के बाद दूल्हे का छोटा भाई सुनील (18), उसका चाचा कामेश्वर (37) और चचेरा भाई चन्देश (16) बाइक से ही बरात के लिए निकले। रास्ते मे घघरा गांव के पास उनकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे फिसल गई। हादसे में तीनों सवारों को गंभीर चोट आई। आनन–फानन घायलों को बभनी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने सुनील को मृत घोषित कर दिया। दूल्हे के चाचा कामेश्वर और चचेरे भाई चांदेश पुत्र कामेश्वर की हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। मौत की खबर सुनते ही घर में मातम छा गया। मामले के संदर्भ में प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार सिंह ने बताया कि परिजनों की ओर से घटना की जानकारी पुलिस को नहीं दी गई है।

गोरखपुर में जिनके कंधों पर थी मतदान प्रतिशत बढ़ाने की जिम्मेदारी : उन्हीं ने की मनमानी

गोरखपुर ब्यूरो : जिन बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) को मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए नए मतदाताओं के नाम जोड़ने और मतदाता सूची दुरुस्त करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी, उन्हीं की मनमानी से बड़ी संख्या में मतदाता, अपने मताधिकार का प्रयोग करने से वंचित रह गए। तमाम लोगों को बूथों से निराश लौटना पड़ा, तो कहीं परिवार के एक सदस्य का नाम छोड़ बाकी का नाम काट दिया गया। वहीं, बूथ बदलने से कई वोटर भटकते रहे। जिन मतदाताओं ने पिछले निकाय चुनाव में मतदान किया था, उनके नाम भी मतदाता सूची से काट दिए गए। हर बूथ से इस तरह की शिकायतें सामने आईं। बताया जा रहा है कि यदि मतदाता सूची ठीक रहती तो मतदान प्रतिशत और बढ़ता। वार्ड नंबर 70 के आजाद नगर पूर्वी मोहल्ले के ध्रुव सिंह पिछले दो निकाय चुनावों में वोट डालते आ रहे हैं। इस बार जब सेंट्रल एकेडमी में स्थित अपने बूथ पर परिवार समेत मतदान करने पहुंचे, तो बताया गया कि मतदाता सूची में नाम ही नहीं है। तारामंडल क्षेत्र स्थित सरमाउंट स्कूल के बगल में रहने वाले अमरेंद्र कौशिक के घर में छह वोटर हैं। पिछले निकाय चुनाव में उन्होंने वोटिंग की थी लेकिन इस बार जब बूथ पर पहुंचे तो परिवार के किसी भी सदस्य का नाम वोटर लिस्ट में नहीं मिला। पूरा परिवार प्रशासनिक व्यवस्था को कोसते हुए वापस लौट आया। मतदान से पहले वोटर लिस्ट में नाम जांच लें। लेकिन, न तो आयोग की वेबसाइट ही ठीक से चलती है और न ही उनके एप । बीएलओ आसानी से मिलते नहीं और निर्वाचन कार्यालय के कर्मचारी सीधे मुंह बात नहीं करते। आखिर एक आम आदमी कैसे नाम जांचे। निजामपुर के शनि बूथ पर काफी देर तक मशक्कत करते रहे। मगर उनका और परिवार के चार अन्य लोगों का नाम वोटर लिस्ट में नही मिला। बेतियाहाता के संजीव राय अपने पूरे परिवार के साथ वोट डालने मंगला देवी मंदिर परिसर के पास स्थित बूथ पर पहुंचे, तो पता चला कि उनके भतीजे का नाम ही नहीं है। शहर के एक बड़े स्वर्ण व्यवसायी का परिवार एमजी इंटर कॉलेज पहुंचा, तो 12 में से सात लोगों के नाम वोटर लिस्ट में मिले ही नहीं। बाबा राघव दास नगर वार्ड के बृजेश श्रीवास्तव का कहना है कि उनके परिवार में से सभी 10 लोगों के नाम वोटर लिस्ट से काट दिए गए जबकि पिछले चुनाव में उन्होंने मतदान किया था। यह भी आरोप लग रहे हैं कि बीएलओ की मिलीभगत से कुछ पार्षद प्रत्याशियों, जिन्हें उम्मीद थी कि संबंधित परिवार से वोट नहीं मिलेगा, उन्होंने नाम ही कटवा दिए। पति का नाम वोटर लिस्ट में, पत्नी

और भाई का नाम कटा वार्ड नंबर 16 दिग्विजय नगर में डॉ. अमित मिश्रा का नाम वोटर लिस्ट में था, लेकिन उनकी पत्नी डॉ. मोनिका मिश्रा और भाई मनीष मिश्रा का नाम वोटर लिस्ट से कट गया था। जीनियस पब्लिक स्कूल में वोट डालने पहुंचे डॉक्टर दंपती को इसकी वजह से निराशा हाथ लगी है। डॉ. अमित मिश्रा ने बताया कि एक भाई राजस्थान रहता है, उसका नाम वोटर लिस्ट में था। जबकि, छोटा भाई मनीष गोरखपुर में रहता है, उसका नाम लिस्ट में नहीं था। वोटर लिस्ट से कट गया नायब काजी के परिवार का नाम शहर के नायब काजी मुफ्ती मोहम्मद अजहर शम्सी का नाम वोटर लिस्ट से गायब मिला। सुबह वह अशफाकउल्ला नगर के बूथ पर मतदान करने पहुंचे, लेकिन मतदाता सूची में नाम नहीं होने के कारण उन्हें निराश होकर लौटना पड़ा। नायब काजी ने बताया कि मतदाता सूची से उनका ही नहीं बल्कि उनके भाई व बहन के नाम भी काट दिए गए, जबकि उनके मरहूम वालिद का नाम वोटर लिस्ट में मौजूद था। सिर्फ उनकी वालिदा ही वोट डाल सकीं। एक ही परिवार के लोगों को अलग–अलग केंद्रों पर डालना पड़ा वोट रुस्तपुर वार्ड नंबर 70 में राजीव पांडेय अपने परिवार के साथ मतदान करने गए थे। पता चला कि उनका नाम सेंट्रल पब्लिक स्कूल में है, जबकि परिवार के अन्य लोगों को नाम वहां से 100 मीटर दूर गीता बालिका स्कूल में था। जटाशंकर के पास रहने वाले भोला ने बताया कि हर बार उनका मत डीएवी इंटर कॉलेज में पड़ता था। इस बार नाम खोजने के बाद बीएलओ ने बताया कि बूथ केंद्र बदल गया होगा। डेढ़ घंटे खराब होने के बाद बिना मतदान किए ही लौट गए। सेंट एंड्रयूज इंटर कॉलेज में मतदान के लिए पहुंचे कुछ लोगों को गलत पर्ची मिल गई। लाइन में लगने के बाद जब अंदर गए तो पता चला कि इस बार उनका केंद्र बदल कर स्कूल के दूसरे हिस्से में चला गया है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी / एडीएम फाइनेंस राजेश कुमार सिंह ने कहा कि कुछ बूथों की मतदाता सूची से नाम कटने की सूचना मिली है। लोग शिकायत करें, जांच कराई जाएगी और जिम्मेदारी तय करते हुए कार्रवाई भी की जाएगी। मतदान के पहले ही सभी से मतदाता सूची में अपना नाम जांच लेने की अपील की गई थी।

साइबर थाने के प्रभारी आलोक वर्मा के एक्शन से ठगों में दहशत

अयोध्या (क्राइम रिपोर्टर) मुकेश कुमार। अयोध्या साइबर क्राइम थाने के प्रभारी आलोक वर्मा के एक्शन प्लान से साइबर ठगों में दहशत चल रही है। रामनगर निवासी अवंतिका जीवनी की तहरीर पर अज्ञात

साइबर ठग के विरुद्ध गम्भीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है जिसमें 15 लाख 10 हजार की ठगी का आरोप यूट्यूब के वीडियो लाइक करने के मामले में हुईं, इस मामले के विवेचक आलोक वर्मा त्वरित एक्शन लेते हुवे साइबर ठग के बैंक खाते में जमा रकम लगभग 7 लाख रुपये को सीज किया। आरोपी अब नही निकाल सकेगा ठगी के रुपये। शीघ्र ही उक्त धनराशि को न्यायालय से अनुमति लेकर पीड़िता के खाते में वापस कराया जाएगा।

नगर निकाय चुनाव की बढ़ी सरगर्मियां : चौराहों पर तेज हुई चुनावी चर्चा

अयोध्या (क्राइम रिपोर्टर) मुकेश कुमार। निकाय चुनाव की तिथि जैसे–जैसे नजदीक आ रही है, वैसे–वैसे चुनावी सरगर्मी बढ़ती जा रही है। नगर के हर गली–मोहल्ला व चौक–चौराहों पर इस समय चुनावी चर्चा का ही दौर चल रहा है। नवसृजित नगर पंचायत कुमारगंज में हर कोई अपने पसंदीदा प्रत्याशी को जिताने का समीकरण बता रहा है।बृहस्पतिवार को दोपहर बाद नगर पंचायत में चुनावी सरगर्मी की हकीकत जानने के लिए जब स्वतंत्र प्रभात की टीम खंडासा मोड़ स्थित एक होटल के पास पहुंची तो वहां पर कई राजनैतिक पार्टी के कार्यकर्ता व पदाधिकारीयों के अलावा मतदाता भी चाय नाश्ता कर रहे थे। वे आपस में चुनाव मैदान में उतरे राजनैतिक व निर्दलीय प्रत्याशियों की जीत–हार का समीकरण बता रहे थे। पवन कुमार ने कहा कि नगर का विकास व जनता की बात सुनने वाले प्रत्याशी को ही प्राथमिकता देंगे। अजय बोल पड़े कि ऐसे व्यक्ति को चेयरमैन चुनेंगे, जो केवल वादों तक ही सीमित न रहे, बल्कि कसौटी पर खरा उतरे। भोलू ने तर्क दिया कि ऐसे प्रत्याशी को वोट करेंगे जो साफ–सुथरी छवि वाला हो, पढ़ा–लिखा व जनता के लिए संघर्ष करने वाला हो। दिनेश कुमार ने कहा कि निकाय चुनाव जनता की अपेक्षा का आधार है। योग्य व कर्मठ प्रत्याशी को ही मौका देना चाहिए। वही मौजूद अन्य लोग आपस में चर्चाएं कर रहे थे कि कुछ प्रत्याशियों को छोड़कर अन्य प्रत्याशी के समर्थक नगर पंचायत क्षेत्र के बजाय अन्य क्षेत्र से आकर चुनाव प्रचार प्रसार कर रहे हैं जिनको जनता पहचान ही नहीं रही है वह अपनी पहचान बताकर अपने प्रत्याशी के पक्ष में वोट करने की अपील कर रहे हैं। अपने प्रत्याशियों को चुनाव जिताने के लिए तरह–तरह के हथकंडे अपना रहे हैं। मतदाता भी इन हथकंडे बाज नेताओं को बहुत करीब से देख रही है नगर की जनता अब अपने मनचाहे प्रत्याशियों को जिताने की सोच रही हैं।

भाजपा के मेयर प्रत्याशी महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने सीएम योगी को बताया अयोध्या का दूसरा विक्रमादित्य

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। सीएम योगी का संबोधन अयोध्या अब अपने गौरव के साथ दुनिया को आकर्षित कर रही है, भगवान राम की पावन धरा को कोटि–कोटि नमन करते हुए अयोध्या वासियों मतदाताओं का अभिवादन करता हूं, इस समय अयोध्या आने की होड़ लगी है हर व्यक्ति जाना चाहता है कि अयोध्या में क्या हो रहा है,राम भक्त आज से नहीं 500 वर्षों से राम जन्मभूमि के लिए बलिदान दिया है निरंतर संघर्ष किया है हम सब आभारी हैं प्रधानमंत्री मोदी जी का उनकी नीति का उनकी युक्ति का उन्होंने राम जन्मभूमि मुक्ति अभियान को आज स्वरूप दिया उसका परिणाम है।अयोध्या में भव्य भगवान श्री राम के निर्माण का कार्य हो रहा है जब तक राम मंदिर का निर्माण पूरा होगा तब तक अयोध्या सुंदरम नगरी बन चुकी होगी। अयोध्या नगर निगम को मान्यता देने के लिए मुझे ही हस्ताक्षर करने का सौभाग्य मिला था यहां पर राम भक्तों का लहू बहा कर अयोध्या को बदनाम कर रहे थे हमें जब अवसर मिला तो हमने अयोध्या में अयोध्या को उसकी सनातन पहचान देने का कार्य किया आज अयोध्या सबको आकर्षित कर रही है आज अयोध्या दुनिया के सर्वोत्तम नगरी बनने की ओर अग्रसर है। महंत गिरीश पति त्रिपाठी के नेतृत्व में ऐसा मेयर बने जो स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए कार्य करें, अयोध्या पहली सोलर सिटी बनने वाली है लोगों की खाली छत उस पर लगा 16 लोगों की बिजली की पूर्ति करेगी छतों पर बिजली जनरेशन का काम होगा, सरयू के किनारे सोलर पैनल लगाकर बिजली उत्पादन का कार्य होगा। अयोध्या सोलर सूर्यवंश के रूप में स्थापित होगी विरोधी लोग क्या कहते थे परिंदा भी पर नहीं मार सकता लेकिन राम भक्तों ने क्या किया लाखों लाख राम भक्तों क्या पहुंचे और कार सेवा कर डाली,, समाजवादी पार्टी की सरकार ने पहला फैसला क्या किया था राम जन्मभूमि पर हमला करने वाले आतंकवादियों का मुकदमा वापस लेने का कुत्सित प्रयास किया था लेकिन भाजपा की सरकार ने इसको पूरा नहीं होने दिया सबसे पहले पूजन खानों को बंद किया और अयोध्या नगर निगम बनाया और जनपद को भी अयोध्या का नाम दिया हमारी प्राथमिकता प्रदेश है ।25 करोड़ जनमानस है प्रदेश की आस्था है प्रदेश की सुरक्षा है तो हमने सुरक्षा को प्राथमिकता दी। प्रधानमंत्री ने जब राम जन्म भूमि के भूमि पूजन कार्यक्रम को अपने हाथों से किया पूरी दुनिया ने हमको देखा 2017 के पहले स्थिति क्या थी भय और आतंक के साए में लोग रह रहे थे। 2017 के बाद क्या कभी किसी ने दंगा सुना क्या आप उत्तर प्रदेश की पहचान उपद्रव से नहीं है उत्सव से है दीपोत्सव से है।। डबल इंजन सरकार की देन है देव दीपावली मथुरा वृंदावन में रंगोत्सव यह उत्तर प्रदेश की पहचान बन गई है उत्सव और महोत्सव का प्रदेश है उत्तर प्रदेश माफिया उपद्रवियों का प्रदेश नहीं है। उत्तर प्रदेश। हम तुष्टिकरण नहीं हम सशक्तिकरण के नीति पर चले हैं हमने बिना जाति धर्म पर के सभी को योजनाओं का लाभ दिया है। प्रधानमंत्री आवास मिला मुख्यमंत्री आवास योजना हर जरूरतमंद को सरकारी योजनाओं का लाभ मिला है 15 करोड़ जनता को पिछले 3 वर्ष से फ्री राशन सरकार दे रही है।आज अयोध्या की सड़कें चौड़ी हो रही है,इस वर्ष के अंत तक तैयार हो जाएंगी तो देश दुनिया की सड़कें भी फेल हो अयोध्या का एयरपोर्ट इंटरनेशनल एयरपोर्ट है समाजवादी का पार्टी का नाम विध्वंस वादी पार्टी नाम होना चाहिए था इनकी सोच आतंकवादियों के प्रति होती है अपराधियों के प्रति होती है विकास में रोड़ा अधिकार ने वालों के साथ होती है। विकास के हर वक्त पर रोड़ा अटकाते है, अब देश दुनिया की फ्लाइट अयोध्या आएगी। आने वाले समय में अयोध्या में इलेक्ट्रिक बस सेवा भी शुरू करने जा रहे हैं। सरयू नदी में किनारे किनारे रिवरफ्रंट बनाए जाएंगे, स्मार्ट सिटी योजना के अंतर्गत भी 62 करोड़ 45 लाख की परियोजनाओं की सौगात दी है।। अयोध्या हमारा पर्व धाम है अयोध्या के सभी प्रत्याशी जीत कर जाना चाहिए।

पांच रूपये शुल्क से मिलेगी पशु पालकों को पशु एम्बुलेंस सेवा

अयोध्या डीकेयू लाइव ब्यूरो सुरेंद्र कुमार।सोहावल–अयोध्या। राज्य सरकार की बीमार पशुओं की घर बैठे इलाज के लिए लखनऊ से संचालित एम्बूलेंस सेवा की शुरुआत सोहावल ग्रामीण क्षेत्र मे शुरु हुई।टोल फ्री 1962 नंबर पर पशुपालक की एक काल करने तथा पांच रूपये की रजिस्टरेशन शुल्क जमा करने पर रूटीन दिन की आठ घंटे की ड्यूटी सेवा क्षेत्र मे चर्चा का विषय बना हुआ है।डिप्टी सीबीओ मनोज वर्मा ने बताया कि अधिकतर पशुओं को बीमार तथा टीकाकरण जैसी योजना लेने के लिए पशु पालकों को स्वास्थ्य केंद्रो पर नहीं भटकना पड़ेगा ।शासन की मंशानुरूप बेहतर सेवा के लिए एक वैन मे एक पशु चिकित्सक एटीएस सहित चालक तथा सोहावल से बीमारी से संबधित सभी दवाईयां उपलब्ध रहेंगी।रूदौली सोहावल तथा बीकापुर मिल्कीपुर की कम्बाइंड दो संचालित वाहन में एक एक वाहन चिकित्सक की टीम बारी बारी इमरजेंसी तथा आठ घंटे की रूटीन मे इलाज सेवा में उपलब्ध रहेंगे स एक अप्रैल से बीमार पशुओं के इलाज की सुविधा शुरू की गयी।पशुपालकों की जानकारी के आभाव के बावजूद लगभग दो सौ पशुओं का इलाज किया जा चुका है।

कोरोना संक्रमण : गोरखपुर में मिले 12 संक्रमित : 32 ने दी कोरोना को मात

गोरखपुर ब्यूरो : कोरोना संक्रमण की जांच में बृहस्पतिवार को 12 मरीज मिले हैं। इसमें शहरी क्षेत्र के नौ और ग्रामीण क्षेत्र के तीन लोग शामिल हैं। हालांकि, इन सबके बीच राहत की बात यह है कि 32 लोगों ने कोरोना को मात दी है। इसके बाद से जिले में सक्रिय मरीजों की संख्या घटकर 66 हो गई है। कोरोना जांच के नोडल अधिकारी डॉ. एके सिंह ने बताया कि मोहद्दीपुर में सबसे ज्यादा पांच संक्रमित मिले हैं। जबकि, अन्य संक्रमित पिपराइच, भटहट और गोरखनाथ क्षेत्र के रहने वाले हैं। बताया कि पहली लहर से अब तक 68,773 लोग संक्रमित

हो चुके हैं। 67,836 लोगों ने कोरोना को मात दी है। 866 लोगों की मौत हो चुकी है।

गोरखपुर में लाठी–डंडे से पीटकर बुजुर्ग की हत्या : जांच के दायरे में बेटा

गोरखपुर ब्यूरो : गोरखपुर जिले के गोला थाना क्षेत्र के बेबरी गांव में लल्लन (60) की बृहस्पतिवार रात पीटकर हत्या कर दी गई। बेटे का आरोप है कि गांव के दो लोगों ने पुरानी रंजिश में हत्या की है। जबकि, गांव में चर्चा है कि बाप–बेटे में हुए झगड़े में मौत हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम भेजकर मामला शांत कराया। जानकारी के मुताबिक, बेबरी गांव में लल्लन चौराहे से लौट रहे थे। इस दौरान पिटाई से वह गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर आए बेटे ने घायल को अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया, लेकिन ले जाने से पहले ही मौत हो गई। लल्लन के पुत्र रणधीर ने तहरीर देकर कहा है कि शाम को उसके पिता को लेकर घर आ रहा था। अभी रामगुलाम के घर के पास पहुंचा था कि तब तक गांव का ही एक युवक और एक महिला ने उन पर लाठी–डंडों व ईंट से हमला कर

दिया। जिससे उनके सिर में गंभीर चोट लग गई। उन्हें तत्काल थाने ले जाया गया, जहां से उन्हें अस्पताल ले जाया गया। मगर, उनकी मौत हो गई। संबंध में थानाध्यक्ष अश्वनी तिवारी ने कहा कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अभी तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलते ही मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

सम्पादक मंडल
श्री शिवशंकर द्विवेदी संयुक्त सचिव (सेवा निवृत्त) उ0प्र0 शासन, लखनऊ, पं. लाल साहब उपाध्याय (सत्यवेदानन्द जी), बाबा शक्ति नाथ (ज्योतिषाचार्य)श्री विजय कुमार तिवारी, श्री दीपचन्द्र मौर्य (एडवोकेट), श्री सुभाष चन्द्र सेठ,श्री ऋषिकेश द्विवेदी, श्री शिवशंकर तिवारी
प्रमुख कार्यालय– हिन्दी साप्ताहिक " देश की उपासना"
पता–ई 3464,राजाजी पुरम्(निकट मिनी स्टेडियम) लखनऊ उ0प्र0
लखनऊ सम्पादक– श्री पी0सी0श्रीवास्तव मों0 9415545107

स्वात्वाधिकारी की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

सह सम्पादक
श्रीमती हेमा त्रिपाठी
मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है,समाचार पत्र में प्रकाशित लेख/समाचारों से सम्पादक की सहमति अनिवार्य नही
समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।